

संक्षिप्त खबरें

साइप्रस-भारत विदेश मंत्री वार्ता, संयुक्त कार्य योजना की समीक्षा

नई दिल्ली: विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने गुरुवार को साइप्रस के अपने समकक्ष डॉ. कॉन्स्टेंटिनोस कोम्बोस के साथ यहां वार्ता की और दोनों देशों की संयुक्त कार्ययोजना 2025-29 की समीक्षा की। इसी साल जून में प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा के दौरान इस कार्ययोजना पर सहमति बनी थी। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने आज एक्स पोस्ट में कहा कि हमारी चचाओं में वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति, हमारे संबंधित क्षेत्रों में विकास और बहुपक्षीय मंचों पर हमारे सहयोग पर भी चर्चा हुई। साल 2026 में साइप्रस के यूरोपीय संघ की अध्यक्षता संभालने के साथ हमें विश्वास है कि भारत-यूरोपीय संघ के संबंध और भी मजबूत होंगे।

आज वाराणसी के दौरे पर रहेंगे सी.पी. राधाकृष्णन

नई दिल्ली: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी जाएंगे। इस दौरान वे सिरगा, वाराणसी में नव निर्मित सतराम भवन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। गुरुवार को उपराष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार सीपी राधाकृष्णन वाराणसी में नव निर्मित सतराम भवन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे।

ओम प्रकाश धनखड़ की किताब " श्रेष्ठ की अभिव्यक्ति हो" का विमोचन

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने गुरुवार को अपनी किताब गिव योर बेस्ट का हिन्दी संस्करण इश्रेष्ठ की अभिव्यक्ति हो का विमोचन किया। हरियाण भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस किताब को लिखने का मकसद लोगों को स्वयं से मिलाना है। जीवन में कई बार कुछ पंक्तियां मिलीं जो दिल को छूकर प्रेरणा बन गईं। ध्येय एवं जीवन को आकार देने वाले वाक्य मिलते गए और 16 संस्कारों की तरह सोलह वाक्यों की प्रार्थना बन गई, जो मेरे निजी जीवन की पथ प्रदर्शक भी बन गईं। अब जनआलोक के लिए श्रेष्ठ की अभिव्यक्ति नामक रचना बन गई है। उन्होंने कहा कि यह किताब उन लोगों के लिए है जो एक सार्थक जीवन जीना चाहते हैं ।

जस्टिस सूर्यकांत देश के अगले CJI किए गए नियुक्त, बीआर गवई की लेंगे जगह

नई दिल्ली : जस्टिस सूर्यकांत को देश का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है. जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. उखक बीआर गवई ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की थी. गवई 23 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं.

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत को 24 नवंबर 2025 से भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है. मैं उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ.

जस्टिस सूर्यकांत का 14 महीने का होगा कार्यकाल

हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी 1962 को मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के में जज बने थे. उनका कार्यकाल



मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

अन्तर्राष्ट्रीय सरना धर्म महासम्मेलन-2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने हेतु मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन हुए सादर आमंत्रित।

नवप्रदेश संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज काँके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। मौके पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने अवगत कराया कि हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सोहराय कुनामी (कार्तिक पुर्णिमा) के शुभ अवसर पर लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम गाढ़, टी०टी०पी०एस० ललपनिया बोकारो में आगामी 03, 04 एवं 05 नवम्बर 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय सरना धर्म महासम्मेलन-2025 कार्यक्रम का



आयोजन किया जा रहा है। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

के रूप में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में लुगू बुरु घांटा बाड़ी धोरोम

गाढ़ के अध्यक्ष बबुली सोरेन, सचिव लोबिन मुर्मू सहित मिथिलेश किस्कू, बिंदे सोरेन (मांझी बाबा, जमशेदपुर),

सुरेन्द्र टुड्डू, बुधन सोरेन, सुखराम बंसरा, मेघराज मुर्मू, संतोष हेंब्रम एवं अन्य उपस्थित रहे।

बिहार में असली लड़ाई बेरोजगारी और पलायन से है : तेजस्वी

नवप्रदेश संवाददाता

दरभंगा: बिहार में दरभंगा जिले के गौड़ाबौराम और बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार वीआईपी के संतोष सहनी और राजद के भोला यादव के समर्थन में तेजस्वी यादव और वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने गुरुवार को संयुक्त जनसभा की। इस दौरान तेजस्वी यादव ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कहते हुए कहा कि अमित शाह हमें धमकी देते हैं कि ऐसा सबक सिखाएंगे कि चुनाव लड़ने से पहले सोचना पड़ेगा। लेकिन कह देते हैं कि तेजस्वी उनसे डरने वाला नहीं है। उनकी असली लड़ाई बेरोजगारी और पलायन से है।

तेजस्वी ने कहा कि अगर प्रदेश में उनकी सरकार बनी तो हर घर के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने गौड़ाबौराम की जनता से कहा कि सोचिए किन्ता अलगा होगा, जब आपके घर के बेटा-बेटी को सरकारी नौकरी लगेगा, इसलिए हमारे हाथ को मजबूत बनाए और महागठबंधन को जीताएँ। हमारी सरकार बनेगी तब सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी। किसी को काम करने के लिए दूसरे प्रदेश में नहीं जाना होगा। सब यहीं रहकर काम-काज करेंगे और घर का एक सदस्य सरकारी नौकरी



करेगा। तेजस्वी ने कहा, 'हम लोगों ने सबको आगे बढ़ाने का काम किया है। बड़ी लड़ाई है। ये चुनाव केवल विधायक बनने या बनाने के लिए नहीं है। ये बिहार बनाने की लड़ाई है। पूरे देश की नजर अभी बिहार पर है। बिहार अगर हमलोग जीतेंगे तो यूपी और बंगाल भी जीतेंगे। मोदी जी का आगे का रास्ता साफ कर दिया जाएगा।'

गौराबौराम से वीआईपी के सिंबल से संतोष सहनी जबकि राजद के सिंबल पर अफजल अली खान नामांकन किया था। तेजस्वी ने मुकेश सहनी के भाई

संतोष सहनी के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। अफजल अली खान मंच पर भी नजर नहीं आए। तेजस्वी यादव ने कहा कि 'आज तक एक ही नया कारखाना नहीं खुला है। दरभंगा और मधुबनी की तीनों चीनी मिलें बंद पड़ी हैं। प्रधानमंत्री मोदी की फैक्ट्री गुजरात में लगती है और विजय बिहार में चाहिए। यह दोहरा मापदंड है। भाजपा की सरकार नौकरी देने में पूरी तरह विफल रही है। असली लड़ाई बेरोजगारी से है। जनता अगर एकजुट रहेगी तो भाजपा को हराकर बिहार में नई सरकार

बनाई जाएगी, जो हर घर को रोजगार देने का काम करेगी। तेजस्वी की दूसरी सभा उन्होंने भाजपा और नीतीश सरकार पर निशाना साधा। कहा, इन लोगों ने 20 साल से कुछ नहीं किया। समय आ गया है नया बिहार बनाने का। इसलिए चुपचाप लालटेन छाप पर बटन दबाइए। ये लोग फिर से आ जाएंगे तो भ्रष्टाचारियों और अधिकारियों का मनोबल और बढ़ जाएगा। बिहार में नाम की शराबबंदी है, शराब की होम डिलीवरी चालू है।

पाकिस्तान के खिलाफ अफगानिस्तान के पक्ष में खुल कर आया भारत

नई दिल्ली: भारत ने अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के बीच टकराव में खुल कर अफगानिस्तान का पक्ष लिया है और पाकिस्तान को दो टूक शब्दों में चेताया है कि उसके दोनों पड़ोसियों को सीमापार आतंकवाद फैलाने की नीति स्वीकार नहीं है। भारत ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में कुनार नदी पर प्रस्तावित बांध बनाने के लिए वह अफगान सरकार को पूरा सहयोग देगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में अफगानिस्तान सरकार के कुनार नदी पर बांध बनाने के प्रस्ताव में भारत की भूमिका से जुड़े एक सवाल पर कहा, जैसा कि हाल ही में पारित भारत-अफगानिस्तान संयुक्त वक्तव्य में जोर दिया गया है, भारत अफगानिस्तान के सतत जल प्रबंधन में, जिसमें जलविद्युत परियोजनाएं भी शामिल हैं, सहयोग देने के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें सलमा बांध भी शामिल है, जिसे आज भारत-अफगानिस्तान मैत्री बांध कहा जाता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने चाईबासा सदर अस्पताल में की आकस्मिक जांच, मचा हड़कंप

नवप्रदेश, चाईबासा: झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के अचानक चाईबासा सदर अस्पताल पहुंचते ही अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया।स्वास्थ्य मंत्री ने लगभग तीन घंटे तक गहन जांच की और अस्पताल के सभी वार्डों, प्रयोगशालाओं एवं मरीजों की देखभाल व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान थैलेसीमिया मरीज की रिपोर्ट में एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने की गंभीर लापरवाही सामने आई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए और पीड़ित परिवार को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया। इस दौरान चाईबासा के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, सिविल सर्जन और स्वास्थ्य विभाग के जांच विशेषज्ञ भी उपस्थित थे। प्रारंभिक जांचकारी के अनुसार वर्ष 2023-24 में कुछ बच्चों को संक्रमित प्लाज्मा का ट्रांसफ्यूजन किया गया



था। कुल 259 डोनेर्स से रक्त लिया गया, जिनमें से 44 लोगों की जांच कराई गई। जांच में चार लोगों के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई है। मंत्री ने बताया कि यह मामला गंभीर है और जांच जारी है। रिपोर्ट आने तक किसी को भी अफवाह या राजनीतिक बयानबाजी से बचना चाहिए। डॉ. इरफान अंसारी ने कहा की यदि जांच में किसी की लापरवाही साबित होती है,तो मैं स्वयं उस परिवार की पूरी जिम्मेदारी लूंगा और दोषियों के खिलाफ कठोर

पूर्वी सिंहभूम से भाजपा के कई नेताओं ने थामा झामुमो का दामन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिलाई सदस्यता



नवप्रदेश संवाददाता

रांची: घाटशिला उपचुनाव से पूर्व सिंहभूम जिले में भाजपा को बड़ा झटका लगा है । बता दे,पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया।झामुमो की सदस्यता ग्रहण करने वालों में जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) सह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सौरभ चक्रवर्ती, घाटशिला भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशिक

सिन्हा, मुसाबनी के पूर्व मंडल अध्यक्ष तुषार पात्रों, भाजपा के मीडिया प्रभारी सुरेश महाली, तथा जमशेदपुर के सुप्रसिद्ध जंबू अखाड़ा के अध्यक्ष बंटी सिंह सहित कई अन्य नेता शामिल रहे।इन सभी नेताओं ने झामुमो की सदस्यता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के करकमलों से ग्रहण की।इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता सह पूर्व विधायक कुणाल भड़ंगी और जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू उपस्थित रहें।

मुंबई में 17 बच्चों को बंधक बनाने वाले शख्स का एनकाउंटर

महाराष्ट्र: मुंबई के पवई इलाके में स्थित 'राॅ स्टूडियो' में गुरुवार दोपहर को बच्चों को बंधक बनाने की घटना मामले में एक बड़ी खबर सामने आई है। 17 बच्चे सहित 19 लोगों को बंधक बनाने वाला मानसिक रूप से अस्थिर बताए गए आरोपी रोहित आर्य को पुलिस कार्रवाई के दौरान हुई झड़प में गोली लग गई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जब पुलिस बाथरूम के रास्ते अंदर दाखिल हुई थी, तब आरोपी के हाथ में एक एयर गन थी और कुछ केमिकल था। पुलिस ने सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन आरोपी नहीं माना। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें उसे गोली लगी। गोली लगने के बाद उसे जोगेश्वरी ट्रॉमा अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बच्चों को सुरक्षित बचाए जाने के बाद उज्ज दत्ता किशन नलावडे ने जानकारी देते हुए बताया था कि दोपहर लगभग 1:45 बजे पुलिस को इस घटना की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस की अलग-अलग टीम मौके पर पहुंची और स्टूडियो के अंदर फंसे बच्चों को रेस्क्यू ऑपरेशन के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस के मुताबिक, कुल 17 बच्चे, 1 सीनियर सिटिजन और 1 सिविलियन को अंदर बंधक बनाकर रखा गया था।

- **इरफान अंसारी का बड़ा एक्शन- एचआईवी लापरवाही मामले में तत्काल जांच और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता**
- **भाजपा पर मंत्री का पलटवार- 20 साल स्वास्थ्य व्यवस्था को नजाक बनाया, अब दिख रहा सुधार उन्हें खल रहा है**

राजनीतिक रंग देकर अपनी रेटियां सेंक रही है।20 वर्षों तक उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था को मजाक बना दिया था।आज स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलट मोड़ में है,और जनता यह महसूस कर रही है कि अब उनका इलाज बेहतर हो रहा है। अंत में स्वास्थ्य मंत्री ने जनता से अपील करते हुए कहा की मैं लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए दिन-रात काम कर रहा हूं।जनता से अनुरोध है कि मुझे सहयोग दें,और बेवजह की बयानबाजी से बचें।

सड़क दुर्घटना में चार की मौत, 15 घायल

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। रांची जिले के बुंदू थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक सवारी वाहन के पलटने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य यात्री घायल हो गए। यह वाहन तमाड़ से बुंदू के ताउ मैदान में आयोजित आदिवासी जन आक्रोश रैली में शामिल होने के लिए लोगों को लेकर आ रहा था। बुंदू के गोसाईंडीह के समीप वाहन का टायर फट गया और वाहन पलट



गया। पुलिस के अनुसार, इस घटना

में चार लोगों की मौत हो गयी।

जबकि 15 लोग घायल हो गये।

चान्हो प्रखंड के चोरेया-तरंगा मुख्य सड़क की स्थिति दयनीय, लोगों को हो रही भारी परेशानी

नवप्रदेश संवाददाता

चान्हो। प्रखंड के तरंगा के भवानी चौक से लेकर चोरेया मोड़ तक लगभग 7 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क निर्माण कार्य को लेकर दोनों ओर मिट्टी गिराई गई थी, लेकिन बारिश के कारण वह मिट्टी बहकर सड़क के बीचों-बीच आ गई है, जिससे लोगों का चलना-फिरना बेहद मुश्किल हो गया है। स्थानीय



निवासियों का कहना है कि सड़क पर पड़ी फिसलन भरी मिट्टी के

कारण दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है। इस मार्ग से रोजाना

स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क का शिलान्यास विधानसभा चुनाव के दौरान किया गया था, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है। लोगों ने प्रशासन से सड़क मरम्मत कार्य में तेजी लाने और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की मांग की है।

एसडीएम किष्टो कुमार बेसरा ने सोनाहातू सीएचसी में किया औचक निरीक्षण

एसडीएम ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर दिए सख्त निर्देश

सोनाहातू। बुंदू अनुमंडल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने को लेकर प्रशासन सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में बुंदू के एसडीएम किष्टो कुमार बेसरा ने गुरुवार को सोनाहातू स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित पंजी, दवाओं के स्टॉक, चिकित्सकों और कर्मियों की उपस्थिति सहित ओपीडी व्यवस्था की बारीकी से जांच की। एसडीएम ने एक-एक



रजिस्टर का अवलोकन किया और ड्यूटी पर लापरवाही नहीं बरतने की कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र आमजन से सीधे जुड़ा हुआ है, इसलिए यहां किसी

की स्थिति का भी जायजा लिया गया। एसडीएम ने अस्पताल परिसर को स्वच्छ और सुव्यवस्थित रखने का निर्देश दिया।एसडीएम ने कहा कि निरीक्षण के क्रम में सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं, परंतु किसी भी स्थिति में लापरवाही की गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रशासन समय-समय पर इस तरह के निरीक्षण जारी रखेगा ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में कोई कमी न रहे।मौके पर बीडीओ सह सीओ मनोज महथा, चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर वीरेंद्र समीर कुजूर सहित चिकित्सा कर्मी मौजूद थे।

मिशन बदलाव के प्रयास से नगर परिषद की सहयोग से 40 पोल खुद्रे मे बल्ब लगाया गया

नवप्रदेश/गुमला। मिशन बदलाव के जिला सचिव सख्यदा खातून नगर अध्यक्ष ज्योति वर्मा सचिव ज्योति गॅलिरिया कुजूर के नेतृत्व मे पिछले महीने चार मोहल्ले के मोहल्लो मे पौल खुद्रे के बल्ब खराब थे, मोहल्लेवालों को बहुत परेशानी हो रही थी। सभी मोहल्ले वालो ने जिला सचिव सख्यदा खातून से सम्पर्क किया और मोहलले वालो के गुजारिश पर मिशन बताओ महिला जिला सचिव सख्यदा खातून ने नगर परिषद के कार्यपालक महोदय से शिष्टाचार मुलाकात कर वाडों की समस्या से अवगत कराई उन्होंने तुरंत बिजली बल्ब खराब की समस्या सुनकर इस समस्या को सुनकर संज्ञान में लेते हुए सभी खराब बल्ब को ठीक कराने का आदेश दिए। कार्यपालक महोदय ने बताया कि हमारे तरफ से हेल्पलाइन नंबर शुरू किए जाएंगे ताकि सभी वाडों में जो भी समस्या है उनके लिए हेल्प लाइन शुरू करने वाले है जिससे लोगों को दफ्तरों का चक्कर न काटना पड़े और उनकी समस्या जल्द हल किया जाएगा, आज मिशन बदलाव के अग्रह पर सभी खराब पड़े बल्ब को बदला गया, मिशन बदलाव के जिला सचिव ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया की प्रशासन सभी मामलों को बहुत गंभीरता से ले रहे है। जिससे की भविष्य में गुमला वासियों को कोई समस्या नही होगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक नूर हसन द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मान
नवप्रदेश/गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश के आलोक में जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खाँ द्वारा आज पेंशन अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त शिक्षकों के पेंशन से जुड़े मामलों का त्वरित निषादान किया गया। कार्यक्रम में गुमला सदर प्रखंड के उर्दू मध्य विद्यालय की शिक्षिका रफ्त खानम तथा सिसई प्रखंड के मध्य विद्यालय बीनडों के शिक्षक श्रवण कुमार मांडवी को शॉल और स्मृति विन्हा स्टैंट कर सम्मानित किया गया।
दोनों शिक्षकों को सेवानिवृत्ति उपरांत अच्छे स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की शुभकामनाएँ दी गईं। नवीन शिक्षकों को पेंशन अदालत के माध्यम से सेवानिवृति के साथ ही थुप बीमा, अतिरिक्त अवकाश सत्ता आदि लाभों के भूतानत के साथ सामान्य भविष्य निधि जिला लेखा पदाधिकारी को भेजे जाने की प्रक्रिया पूर्ण कर दी गई। साथ ही अन्य उपादान के लाभ के लिए आवश्यक अनुशंसा एवं पेंशन प्रपत्र भी तत्काल राय्य को भेज दिया गया ताकि यथाशीघ्र पेंशन शुरू कराया जा सके।
दोनों शिक्षकों ने सम्मय विभागीय प्रक्रिया से संतोष व्यक्त करते हुए जिला शिक्षा अधीक्षक को त्वरित पहल के लिए धन्यवाद दिया।

रोटरी क्लब ऑफ रांची साउथ ने डॉन स्कीम 2025 के अंतर्गत नशे को ना कहें और जीवन को हाँ कहें जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नवप्रदेश संवाददाता

पिस्का नगड़ी। रोटरी क्लब ऑफ रांची साउथ, डिस्ट्रिक्ट 3250 ने डॉन स्कीम 2025 (नशा जागरूकता और स्वास्थ्य मार्गदर्शन) के अंतर्गत नशे को ना कहें और जीवन को हाँ कहें शीर्षक से एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह कार्यक्रम गुरुवार को डब्ल्यू. जॉन मल्टीपर्स बौडिंग स्कूल, नगड़ी (रांची) के इंटरैक्ट क्लब के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रोटरी क्लब ऑफ रांची के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से एक स्वस्थ और नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए रोटरी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। इसके बाद रोटेरियन द्वारा रोटरी पहल के जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। सहायक गवर्नर हरमिंदर सिंह ने युवा कल्याण, जागरूकता और सामुदायिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा

देने में रोटरी के निरंतर प्रयासों पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ताओं और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने में सक्रिय रूप से शामिल प्रमुख व्यक्तियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) की विशेष टीम के सदस्य श्री अतुल गेरा ने डीएलएसए की पहलों पर एक गहन प्रस्तुति दी और युवाओं को प्रभावित करने वाले नशीली दवाओं के खतरे के वर्तमान परिदृश्य का अवलोकन प्रस्तुत किया। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के खुफिया अधिकारी संजीता ने नशीली दवाओं के खतरे को रोकने में एनसीबी की भूमिका पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया और हाल की चुनौतियों और अंतर-एजेंसी सहयोग पर प्रकाश डाला। उनके साथ एनसीबी के कनिष्ठ खुफिया अधिकारी कृष्ण मोहन प्रसाद भी थे। सीआईडी झारखंड के उप-निरीक्षक रिजवान ने झारखंड पुलिस और सीआईडी की भूमिका पर बात की और बच्चों और अभिभावकों को सतर्क रहने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया।

अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया, जिसमें निम्नलिखित शामिल थे। रिटर्न एस.के. गिरी, रिटर्न शिवेंद्र मोहन, रिटर्न डॉ. अरविंद कुमार, रिटर्न डॉ. सुफल् एक्का (प्रधानाचार्य), सुश्री प्रियंका बिस्वास एक्का (उप-प्रधानाचार्य), और मेनोर्लियस एक्का (निदेशक, डब्ल्यू. जॉन मल्टीपर्स बौडिंग स्कूल)। कार्यक्रम का समापन स्कूल के उप-प्रधानाचार्य प्रियंका बिस्वास एक्का द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से उनके सहयोग पर प्रकाश डाला। उनके साथ सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह हुआ, जहाँ छात्रों, शिक्षकों और रोटेरियन ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ खड़े होने और स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में एक संवादात्मक और रचनात्मक स्पर्श जोड़ते हुए, डब्ल्यू. जॉन मल्टीपर्स बौडिंग स्कूल के इंटरैक्ट क्लब ने नशे को ना और जीवन को हाँ विषय पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया।

प्रतियोगिता के विजेता थे:

1. ऋतुभि अर्पितेंद्र तिवर्ी

2. डोली कुमारी

3. श्रवण कुमार मुर्मू

सभी वक्ताओं, गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों को स्कूल के

एक नजर

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत चान्हों सीएचसी में जांच शिविर

नवप्रदेश/चान्हों। चान्हो स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को आरकेएच आईभी एड्स रिसर्च एंड केयर, मुंबई के द्वारा एक जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था की ओर से 40 टीबी मरीजों को गोद लिया गया और उनके बीच पोषण आहार का वितरण किया गया।बीपीएम श्यामनेंद्र कुमार अभिषेक ने बताया कि इन मरीजों को लगातार छह माह तक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि यह पहल टीबी उन्मुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शिविर के दौरान टीबी मरीजों के घर के कुल 110 लोगों का एक्स-रे किया गया, जबकि 71 लोगों की आईजीआरए जांच की गई। जांच के बाद जिनमें टीबी संक्रमण के लक्षण पाए जाएंगे, उन्हें समय पर दवा उपलब्ध कराई जाएगी ताकि रोग के प्रसार को रोक़ा जा सके। इस अवसर पर चिकित्सा प्रभारी डॉ. सरिता कच्छप, समित तिग्गा, भोला साहू सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

मांडर प्रखंड के उचरी ग्राम में टाना भगतों की बैठक, मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए बंधु तिवर्ी



नवप्रदेश/मांडर। मांडर प्रखण्ड के ग्राम उचरी मे गुरुवार को टाना भगतों की एक बैठक क्षिणु टाना भगत की अध्यक्षता में हुई, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में पूर्व मंत्री सह झारखण्ड प्रदेश काग्रिस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिवर्ी उपस्थित थे उन्होंने उन्होंने अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के संस्थापक बाबा कार्तिक उरांव को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी इस अवसर पर उन्होंने टाना भगतो से जुड़ी समस्याओं को सुना और उसे गंभीरता से लेते हुए समाधान हेतु पहल की बात कही, मौके पर ही ग्रामीणों द्वारा गांव में पूर्व से बने सांस्कृतिक केंद्र एवं धूमकुड़िया की जर्जर स्थिति को रियररिंग करने की मांग परउन्होंने इंजीनियर बुला कर क खर्च का आंकलन कर इसका इस्टीमेट बनवाने और जितना भी खर्च होगा उसका पूरा आर्थिक सहयोग करने की बात कही मौके पर झारखण्ड स्वतन्त्रता सेनानी समिति के अध्यक्ष के डी गुरु, हरिबंश टाना भगत निर्माण समिति अध्यक्ष खुशबु टाना भगत, अरुणा टाना भगत, बिनोद टाना भगत, जयराम टाना भगत, किरण टाना भगत, मानिता टाना भगत, सुमिता टाना भगत, एतवा टाना भगत, सुका टाना भगत, लक्ष्मण टाना भगत, बुधराम टाना भगत सहित अन्य उपस्थित थे।

ठाकुरगांव स्थित सर जे.सी. एकेडमी स्कूल की कक्षा 10 की टॉपर छात्रा सुप्रिया मुंडा की आकस्मिक निधन

नवप्रदेश/बुढमू। बुढमू प्रखंड के ठाकुरगांव स्थित सर जे.सी. एकेडमी स्कूल की कक्षा 10 की टॉपर छात्रा सुप्रिया मुंडा का मंगलवार की रात मेदात अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। विद्यालय के प्रबंधक सह निदेशक अखिलेश चतुर्वेदी ने बताया कि सुप्रिया पिछले चार महीनों से ब्रेन ट्यूमर और ब्लड कैंसर जैसे गंभीर बीमारी से जीवन की जंग लड़ रही थीं, परंतु ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था, साथ ही विद्यालय के प्रबंधक सह निदेशक अखिलेश चतुर्वेदी ने कहा कि सुप्रिया मुंडा न केवल एक मेधावी और अनुशासित छात्रा थीं, बल्कि वे अपने सम्पन्न, विनम्रता और सकारात्मक दृष्टिकोण से सभी के लिए एक प्रेरणा थीं। उनकी मुस्कान और लगन सदैव याद की जाएगी। उन्होंने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन कर गौरवान्वित किया और सबके दिलों में अमिट छाप छोड़ गईं। इस घटना को लेकर सर जे.सी. एकेडमी स्कूल परिवार वालों के साथ ही मुक्त सुप्रिया मुंडा के परिवार वालों में मातम पसरा हुआ है और परिवार वालों का रो रोक़र कर बुरा हाल है। बता दें कि रांची के सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी पूर्व में सुप्रिया मुंडा की प्रतिभा की सराहना की थी। उनके असमय निधन से सर जे.सी. एकेडमी विद्यालय के प्रबंधक सह निदेशक अखिलेश चतुर्वेदी सहित स्कूल परिवार वालों ने दुःख व्यक्त किया है और शोक जताया है। स्कूल परिवार वालों ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकानुकुल परिवार को इस अप्रूपणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दें, विद्यालय परिवार ने उनकी पावन स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया।

जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में ड्राइविंग टेस्ट सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया



नवप्रदेश/गुमला। जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल के नेतृत्व में ड्राइविंग टेस्ट का आयोजन दुन्दुरिया में किया गया, यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने को लेकर जिला परिवहन पदाधिकारी ज्ञान शंकर जायसवाल के द्वारा रोड सेफ्टी काउंसिलिंग किया गया। इस दौरान ड्राइविंग टेस्ट में आये लोगो को यातायात नियमों का सही ज्ञान के साथ हेल्मेट जैसे सुरक्षित उपकरणों के इस्तेमाल से कैसे सड़क पर होने वाले दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है और अपनी व यातायात का उपयोग कर रहे अन्य व्यक्तियों के जान की रक्षा की जा सकती है। सड़क सुरक्षा के सदस्यों ने वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करना कितना खतरनाक हो सकता है, के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने अपील किया कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें और सीट बेल्ट का प्रयोग करने हेतु लापरवाय एवं लोगो को प्रेरित करें। जागरूकता अभियान के क्रम में यातायात नियम का कड़ाई से पालन करने के लिए ड्राइविंग टेस्ट में आये लोगो को यातायात शपथ प्रहण करवाया गया सड़क दुर्घटनाओं से कैसे बचा जाए और दुस्तरों को बचाया जाये इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।उन्होंने बताया दुर्घटना में ज्यादातर मृत्यु एवं दुर्घटना बाइक से हो रही है, इससे पता चलता है कि बाइक के गतिसीमा से अधिक रफ्तार से वाहन चलाने और लापरवाही से वाहन चलाने के अतिरिक्त बिना हेल्मेट सुरक्षा उपकरण के इस्तेमाल के बिना गाड़ी ड्राइव करने से एवं उन्होंने कहा ऐसी गलती न करें और कड़ा रुख अपना कर अपने परिवार को भी सुरक्षा का पाठ पढ़ाये। साथ ही उन्हें भविष्य में सड़क निर्माण की शुरुआत कर दी है। वह वही सड़क है, जो वर्ष 2014 से जीर्ण-शीर्ण हालत में पड़ी थी। वरसात के मौसम में कीचड़, गड्ढों और जलभराव के कारण आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहता था। आपातकालीन सेवाओं जैसे स्वास्थ्य सुविधा, प्रसव के मामलों और स्कूल जाने वाले बच्चों की भी दिक्कतें होती थीं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की दुर्दशा की जानकारी उन्होंने कई बार क्षेत्रीय विधायक सह मंत्री चमरा लिंडा को दी थी। ग्रामीणों ने बताया कि वे तीन बार रांची स्थित उनके आवास पर जाकर स्थिति से अवगत करा चुके हैं।



उपायुक्त ऋतुराज ने सदर अस्पताल कोडरमा के ब्लड बैंक का किया औचक निरीक्षण

ब्लड बैंक की सभी प्रक्रियाएं पारदर्शी एवं मानक अनुसार हों : उपायुक्त ऋतुराज

उपायुक्त ने ब्लड बैंक के संचालन की समीक्षा की, एस.ओ.पी. तैयार करने का दिया निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। उपायुक्त ऋतुराज सदर अस्पताल, कोडरमा पहुंचे और इस दौरान उन्होंने सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने ब्लड संग्रहण से संबंधित सभी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने र्टीक रजिस्टर, मरीज रजिस्टर, रिकॉर्ड रजिस्टर, रिसीविंग



रजिस्टर समेत सभी अभिलेखों की गहनता से जांच की। उपायुक्त ने

ब्लड बैंक के नोडल पदाधिकारी एवं सभी कर्मचारियों को पूरा

चेकलिस्ट सही एवं अद्यतन रूप में भरने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश

दिया कि ब्लड संग्रह से संबंधित सभी लैब टेस्टिंग का विस्तृत विवरण सुरक्षित रखा जाए, तथा प्रत्येक कर्मचारी अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन करें। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि ब्लड संग्रहण प्रक्रिया का एक मानक फॉर्मेट तैयार किया जाए तथा सभी सेक्शन की नियमित जांच की जाए। ब्लड बैंक में प्रयुक्त सभी मशीनों को अपडेट करनी और आवश्यक उपकरणों की खरीदारी शीघ्र करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सभी टेस्टिंग मशीनें कार्यरत एवं उपलब्ध रहें तथा प्रत्येक ब्लड

सैपल की अलग-अलग रिपोर्ट तैयार की जाए। ब्लड बैंक से संबंधित सभी कार्यों के लिए एक एस.ओ.पी तैयार करने, सभी रिकॉर्ड को अद्यतन करने तथा मशीनों एवं उपकरणों का नियमित कैलिब्रेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, उपाधीक्षक डॉ. रंजीत कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुलदीप, डीपीएम महेश कुमार, पैथोलॉजिस्ट डॉ मेघा तिवारी, ब्लड बैंक के नोडल पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला की घर वापसी, हजारों समर्थकों संग कांग्रेस में हुए शामिल

नवप्रदेश संवाददाता

चौपारण। झारखंड की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला जब बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने अपने हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी में पुनः घर वापसी की। राँची स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में पार्टी नेताओं ने फूल-मालाओं, पट्टों और नारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, शहजादा अनवर, जयशंकर पाठक,

केदार पासवान समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान उमाशंकर अकेला जिंदाबाद, राहुल गांधी जिंदाबाद, केशव महतो कमलेश जिंदाबादह्क के नारों से पूरा हॉल गुंज उठा। समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर झुमकर अपनी खुशी व्यक्त की, वहीं परिसर पोस्टर और बधाई संदेशों से सजा हुआ था। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि उमाशंकर अकेला जी की वापसी से उत्तर छोटानागपुर में कांग्रेस को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने

बताया कि कांग्रेस ह्यूवोट छोड़ो, गद्दी छोड़ो अभियान के तहत झारखंड में भी नई ताकत के साथ उभरने को तैयार है। गौरतलब है कि उमाशंकर अकेला ने 2019 में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में बरही सीट जीती थी, लेकिन 2024 में टिकट नहीं मिलने पर वे अस्थायी रूप से सपा से जुड़ गए थे। अब दोबारा कांग्रेस में लौटकर उन्होंने संदेश दिया है कि मैं वहीं हूँ, जहाँ से जनता और पार्टी को नई मजबूती दी थी। उनकी वापसी से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और वि्वास देखने को मिल रहा है।

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। झारखंड प्रदेश कंग्रेस कार्यालय में बरही विधानसभा के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव ने सैकड़ों समर्थकों, जनप्रतिनिधियों, बरही प्रमुख मनोज रजक, उप प्रमुख, जिला परिषद सदस्य एवं कई मुखियाओं की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। उन्होंने कहा कि वे राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के विचारों व सिद्धांतों से प्रभावित होकर पुनः कांग्रेस परिवार में लौटे हैं। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने उमाशंकर यादव का



स्वागत किया। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष शहजाद अनवर, राजीव रंजन प्रसाद, जयशंकर पाठक, अशोक चौधरी, केदार पाठवान, रविंद्र सिंह, सतीश पाल मुंजनी, अभिलाषा साहू, राजन वर्मा, ईश्वर

आनंद, मनोज सहाय, अज्जू सिंह, प्रमोद बरनवाल सहित कई नेता मौजूद रहे। उमाशंकर यादव के कंग्रेस में शामिल होने से छोटानागपुर प्रमंडल में पार्टी को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

चौपारण डेली मार्केट में शरारती तत्वों ने दुकान में लगाई आग, हजारों का नुकसान

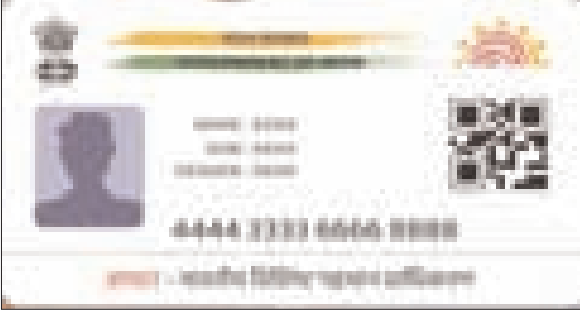
नवप्रदेश/चौपारण।

प्रखंड के डेली मार्केट में शरारती तत्वों द्वारा एक सूखा मिठाई एवं भुजा दुकान में आग लगाए जाने की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चौपारण निवासी संतोष गुप्ता डेली मार्केट में सूखा मिठाई एवं भुजा का ठेला लगाकर अपना जीविकोपार्जन करते थे। वे रात में अपना सारा सामान पास की एक गुमटी में रखते थे। बीती रात्रि लगभग 11:30 बजे कुछ असामाजिक तत्वों ने उनकी गुमटी में आग लगा दी, जिससे ठेला सहित हजारों रुपये मूल्य की मिठाइयों एवं भुजा जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलते ही संतोष गुप्ता तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि अगर समय पर आग नहीं बुझाई जाती, तो आसपास की अन्य दुकानों में भी आग फैल सकती थी, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता था। सुबह घटना की जानकारी मिलने पर ताजपुर के पूर्व मुखिया शौकत उर्फ भूटू खान मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित से मुलाकात कर उसे सांत्वना दी और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने प्रशासन से दौषियों की शीघ्र पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि ताजपुर पंचायत भवन के सामने स्थित दुकानों के आसपास रात में राशे के आदी व असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है, जिससे आए दिन ऐसी घटनाएं घट रही हैं।

आधार कार्ड में फजीवाड़ा का बड़ा खेल, प्रशासन अनभिज्ञ

नवप्रदेश संवाददाता

चौपारण। प्रखंड क्षेत्र में आधार कार्ड से जुड़ी गड़बड़ियों और फजीवाड़े का बड़ा मामला प्रकाश में आया है। सूत्रों के अनुसार, संबंधित अधिकारी के संज्ञान में ऐसा मामला पहुंचा है जिसमें आधार कार्ड में मनमाने ढंग से जन्मतिथि और अन्य व्यक्तिगत सूचनाओं में बदलाव किए जाने की पुष्टि हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि दादपुर पंचायत के सिंहपुर नट मोहल्ला स्थित एक प्रिंटिंग प्रेस में खुलेआम इस प्रकार का अवैध कार्य चल रहा था। उक्त प्रेस में मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना और मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन योजना के लाभार्थियों के लिए जन्मतिथि में हेराफेरी कर आधार कार्ड संशोधित किए जा रहे थे। यही नहीं, प्रेस संचालक द्वारा ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का भी अवैध कारोबार किया



जा रहा था, जिसकी कीमत लगभग 500 रुपये प्रति लाइसेंस बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह फजीवाड़ा लंबे समय से चल रहा है। आंकड़ों के अनुसार, पूरे प्रखंड में लगभग 32,345 महिलाएं मैया सम्मान योजना और 16,890 लाभार्थी वृद्धा पेंशन योजना का लाभ उठा रहे हैं। इनमें कुछ लोग दो-दो पेंशन योजनाओं का लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं, जो प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। बावजूद इसके, जांच के

भय से कोई खुलकर सामने नहीं आ रहा है। सूत्रों का कहना है कि यदि क्षेत्र के सभी प्रिंटिंग प्रेसों की गहन जांच की जाए, तो कई और बड़े फजीवाड़े सामने आ सकते हैं। प्रशासनिक स्तर पर मामले की जांच शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि दौषियों के खिलाफ आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी आमजन की जानकारी से इस प्रकार की छेड़छाड़ न हो सके।

गौशाला में धूमधाम से संपन्न हुआ गोपाष्टमी मेला

हजारीबाग। शहर से लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित कोलकाता पिंजरापोल सोसाइटी की ओर से संचालित गौशाला परिसर में गुरुवार को गोपाष्टमी पर्व के अवसर पर एक भव्य मेले का आयोजन किया गया। रत्नकी रिमझिम बारिश के बावजूद सुबह से ही श्रद्धालुओं और गौभक्तों की भीड़ गौशाला परिसर में उमड़ पड़ी। वातावरण में जय गौ माता के जयघोष गुंज रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत राधा-कृष्ण मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चारण और पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद शहर के गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर मेले का विधिवत शुभारंभ किया। उद्घाटन के बाद उपस्थित भक्तों ने गौमाता को चोकर, गुड़, रोटी सहित अन्य सामग्री खिलाकर गौसेवा का पुण्य प्राप्त किया। गौशाला परिसर को इस अवसर पर विशेष रूप से सजाया गया था। रंगीन झालरों, फूलों की मालाओं से सजे गौशाला परिसर की रौनक देखते ही बनती थी। भक्तजन पूरे भाव से गौमाता की परिक्रमा करते हुए भक्ति और सेवा में लीन दिखाई दिए। कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी संयोजक बजरंग अग्रवाल को दी गई थी। उनके नेतृत्व में पूरी टीम ने महीनों की तैयारी के बाद इस आयोजन को भव्य रूप प्रदान किया। मेले में शामिल होने आए अतिथियों का स्वागत गौशाला समिति के पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर किया। गोपाष्टमी मेले में झारखंडी और भारतीय पारंपरिक व्यंजनों के अनेक स्टल लगाए गए थे। लोगों ने यहां जलेबी, चाऊमीन और अन्य व्यंजनों का आनंद लिया।

एक नजर

अवैध शराब कारोबार बेकाबू, पुलिस कार्रवाई के बाद भी खुलेआम बिक रही महुआ और अंग्रेजी शराब



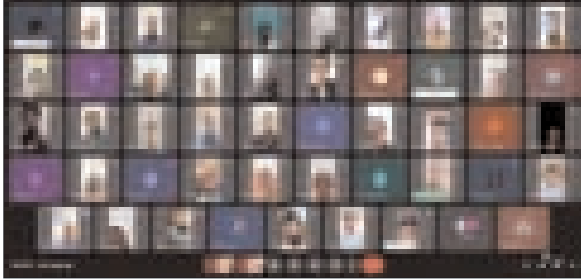
नव प्रदेश/कोडरमा। डोमचांच थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार एक बार फिर सिर उठाने लगा है। नेरू पहाड़ी से लेकर शाहिद चौक, बाजार रोड, चौकी नंबर 11, काली मंड़ा, महेशपुर, गिरिडीह रोड और मासमोहना रोड तक क्षम ढलते ही शराबियों की महफिलें सज जाती हैं। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक दुकानों पर अवैध रूप से महुआ और अंग्रेजी शराब की बिक्री घड़ल्ले से की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले जिन कारोबारियों पर डोमचांच पुलिस ने कार्रवाई की थी, वे अब फिर से खुलेआम शराब बेच रहे हैं। यह स्थिति पुलिस की कार्यशैली और अवैध कारोबारियों को मिले संरक्षण पर सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस की लापरवाही और ढिलाई के कारण शराब माफिया निडर होकर कारोबार चला रहे हैं। लोगों ने पुलिस अधीक्षक कोडरमा से मांग की है कि क्षेत्र में अवैध शराब पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, ताकि आम लोगों और युवाओं को इस कुश्र्पा से बचाया जा सके। स्थानीय जनता चाहती है कि दौषियों पर सख्त कार्रवाई कर इस गोरखधंधे पर तत्काल अंकुश लगाया जाए।

बाइक से अवैध शराब तस्करी करते 40 लीटर अवैध शराब जप्त एक आरोपी गिरफ्तार



नव प्रदेश/कोडरमा। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह भा.पु.से. के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान में तिलैया थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता पाई है। पुलिस ने हथुआधारण निवासी दिलीप यादव (25 वर्ष) को मोटरसाइकिल हिरो डिलक्स नं० जेएच 12 वाई 0537 पर लदी 20 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपने सहयोगी सुनील यादव के साथ मिलकर धान के खेत में 20 लीटर अतिरिक्त शराब छिपाकर रखने की बात कबुली, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया। कुल 40 लीटर अवैध शराब, दो प्लास्टिक जार और बाइक जप्त की गई। इस संबंध में तिलैया थाना कांड सं. 336/25 अंतर्गत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई जारी है। एसपी ने कहा कि जिले में अवैध शराब कारोबार पर कड़ी नजर रखी जा रही है. और दौषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। जनता से अवैध शराब की सूचना गोपनीय रूप से देने की अपील की गई है।

आरपीवाई बीएड कॉलेज में दिलाई गई ऑनलाइन सत्यनिष्ठा शपथ



नवप्रदेश/कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में एनसीटीई के निर्देश पर व सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर, सतर्कता हमारी साझा जिम्मेवारी पर सत्यनिष्ठा शपथ का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुई उसके बाद कार्यक्रम का विषय प्रवेश सहायक प्राध्यापक डॉ. संजीव कुमार ने किया। तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी व प्रशिक्षुओं ने सत्यनिष्ठा शपथ ली, जिसे डॉ. संजीव कुमार के द्वारा दिलाया गया। अंत में सभी को सत्यनिष्ठा शपथ में भाग लेने से संबंधित प्रमाण-पत्र डाउनलोड भी कराया गया।

ग्रिजली विद्यालय की सोनम पांडे ने सीबीएसई राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप में जीता कांस्य



नवप्रदेश/कोडरमा। राजस्थान के श्रीगंगानगर स्थित श्रीमान सिंह महाराज अकादमी में आयोजित सीबीएसई राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप में देशभर के चुनिंदा खिलाड़ियों के बीच हुई कड़ी प्रतिस्पर्धा में ग्रिजली विद्यालय, तिलैया डैम की कक्षा 5 की छात्रा सोनम पांडे ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से कांस्य पदक जीतकर विद्यालय, जिला और राज्य का गौरव बढ़ाया। सोनम ने अपने हट्ट संकल्प, मेहनत और अदम्य साहस से यह सफलता हासिल की। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ह्रूसोनम की यह जीत हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। उसने प्रशंसित किया है कि लानन और अनुशासन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं हू प्रचाचार्य अंजना कुमारी ने सोनम और उसकी कोच तरन्नुम खान को बधाई देते हुए कहा कि ह्रूयह उपलब्धि विद्यालय के लिए प्रेरणास्रोत है ह्रू विद्यालय प्रबंधन की ओर से सोनम और कोच तरन्नुम खान को सम्मानित किया गया। निदेशक ह्रूय मनोप कपसीमे एवं अविनाश सेट, सीओओ तनिष्क सेट, प्रशासक अशरफ खान, संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र चौधरी, शिल्पी भदानी सहित सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों ने सोनम की इस सफलता पर गर्व व्यक्त किया। विद्यालय ने विश्वास जताया कि सोनम जैसी प्रतिभाएं आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोडरमा का नाम रोशन करेंगी।

डीवीसी केटीपीएस में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत कांको पंचायत में ग्राम सभा आयोजित

नव प्रदेश/कोडरमा। डीवीसी, केटीपीएस में चल रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत गुरुवार को कांको पंचायत में जागरूकता ग्राम सभा का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया श्याम देव यादव ने की, जबकि उप-मुखिया पुष्पा देवी सहित पंचायत सदस्य चिंता देवी, उषा देवी, दशरथ पासवान, प्रकाश राम, सुरेन्द्र यादव एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सतर्कता शपथ के साथ हुई, जिसके बाद मुखिया ने सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर अपने विचार रखते हुए निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल समापन पंकज कुमार झा, पीवीओ एवं डीजीएम (केटीपीएस) ने किया, जबकि अनुपम तिवारी, सहायक प्रबंधक (सीएसआर/ एचआर) ने सहयोग प्रदान किया। ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीणों को भ्रष्टाचारमुक्त समाज की दिशा में जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

शहरी क्षेत्र में घुसा जंगली हाथी, हड़कंप

नवप्रदेश संवाददाता

लातेहार। जिले के महुआडांड प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को झुंड से भटककर एक जंगली हाथी पहुंच गया। अचानक शहरी क्षेत्र में जंगली हाथी को देखकर पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। शहरी क्षेत्र में जंगली हाथी के आने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम स्थल पर पहुंचकर जंगली हाथी को जंगल की ओर भागने का प्रयास शुरू कर दिया। इधर, जंगली हाथी के आने के बाद हाथी को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ लग गई है। जिस कारण वन विभाग की टीम



को हाथी को भगाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को अचानक प्रखंड मुख्यालय आने वाली मुख्य सड़क पर जंगली हाथी आ गया। हाथी ने इस दौरान एक ट्रक को रोक दिया और उसमें रखे

सामान को खाने का प्रयास किया। उसके बाद जंगली हाथी प्रखंड मुख्यालय की ओर आ गया। इधर, प्रखंड मुख्यालय में हाथी को देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। लोग पटाखे जलाकर हाथी को भगाने का प्रयास करने लगे। वन



बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती व सरकार आपके द्वार के अवसर पर होगा विविध कार्यक्रमों सभी जिलेवासी सहभागिता के साथ राज्य के विकास में योगदान दें : उपायुक्त

जिलेभर में मंचीय व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे

रांची के मोरहाबादी मैदान में जिले की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी
विभिन्न विभाग अपने कार्यों, योजनाओं व उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगे

कई विकासात्मक कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। धनबाद समाहरणालय सभागार में राज्य स्थापना दिवस, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं सरकार आपके द्वार को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की



अध्यक्षता में जिले से वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में मुख्य आयोजन की रूपरेखा तय की गई तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

राज्य स्थापना दिवस के 25वें वर्ष, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिले में अनेक जनहितकारी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त सह जिला

दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन के निर्देशानुसार 11 नवम्बर से 29 नवम्बर तक हसरकार आपके द्वारह तथा राज्य स्थापना सप्ताह से संबंधित कार्यक्रमों की श्रृंखला पूरे जिले में आयोजित की जाएगी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मोनितरिंग कमिटी की बैठक संपन्न

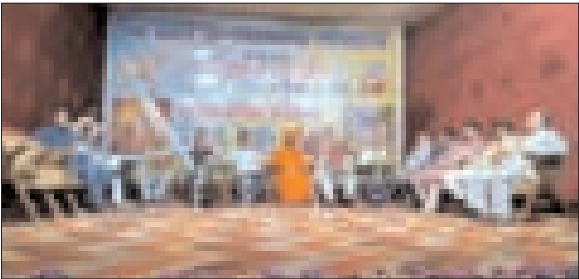
नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। गुरुवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मोनितरिंग कमिटि की बैठक समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक के दौरान वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुए किए गए खर्च का अनुमोदन उपायुक्त की अध्यक्षता में समिति द्वारा किया गया। साथ ही

श्री झरिया धनबाद गौशाला बस्टाकोला में दो दिवसीय मेला व 105 वां वार्षिक अधिवेशन

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद/झरिया। श्री झरिया धनबाद गौशाला बस्टाकोला में दो दिवसीय मेला व 105 वा वार्षिक अधिवेशन बुधवार को शुरू हुआ। इस दौरान कवि सम्मेलन व वृहद मेला का आयोजन किया गया। परम गौ भक्त सुभाष तायल व उनके परिवार द्वारा सुबह गौ पूजन एवं हवन किया गया शाम को मेला अध्यक्ष सुभाष तायल जी का मारवाड़ी विद्यालय के स्काउट पार्टी ने स्वागत किया उसके बाद झंडोलोन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर गौशाला में शाम को गौ माता की महा आरती भी की गई। उसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम यशोमति विद्यालय द्वारा किया गया एक से एक बढ़कर कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया मंचासिन



अतिथि द्वारा पुस्तक का विमोचन किया गया गौशाला सचिव मुरलीधर पोद्दार द्वारा प्रतिवेदन पढ़कर सुनाया गया। रात में विराट कवि सम्मेलन का शुरुआत कवि सम्मेलन अध्यक्ष सुप्रसिद्ध व्यवसायिक एवं परम गौ भक्त संदीप झुनझुनवाला द्वारा आमंत्रित कवि गण द्वारा शुरू किया गया। दिनेश बाबरा झमुंबई, सुदीप भोला राजनपुर गजेंद्र प्रियंशु लखनऊ अमित शर्मा, साक्षी तिवारी लखनऊ जो देर रात तक चला

वहीं आज पुरलिया के कलाकारों के द्वारा छोड़ नृत्य प्रस्तुत किया जायेगा। कवियों ने देर रात तक दर्शकों को एक से एक बढ़कर अपनी काव्य पाठ से बांधे रखा। इस मौके पर धनबाद के संसद दुल्लु महतो, पूर्व सांसद पी एन सिंह, पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल, श्वेता किन्नर, राजकुमार अग्रवाल सत्यनारायण प्रजागाडिया, मुरलीधर पोद्दार, द्वारिका प्रसाद गोयनका, आदि मौजूद थे।

सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी के अथक प्रयासों ने रंग लाया

#कोल इंडिया के अनिवार्य सैपलिंग शर्तों के नए नियमों को वापस लेने से व्यापारियों को मिली बड़ी राहत

ऐतिहासिक निर्णय से कोयला लोडिंग और ढुलाई कार्य में आ रही बाधाएं समाप्त होंगी: सुभाष रवानी

धनबाद। सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी ने जो कहा सो किया। नई कोयला बिक्री नीति को वापस लेने में गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी की रही अहम भूमिका ज्ञात हो कि विगत कुछ दिनों पुर्व कोल कंपनी ने अनिवार्य सैपलिंग शर्त के नियमों का बहाल किया, जिसके बाद कोयला व्यापारियों के बढ़ती समस्याओं को लेकर झारखंड कोल ट्रेडर्स ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने गिरिडीह सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी को ज्ञापन के माध्यम से जानकारी दी, नई सैपलिंग नीति के अनुसार : जो व्यापारी को अतिरिक्त भुगतान करना पड़ेगा-जिससे भारी आर्थिक नुकसान होगा। तत्पश्चात प्राप्त आवेदनों को गंभीरतापूर्वक संज्ञान में लेकर सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कोलकाता स्थित कोल इंडिया के हेडक्वार्टर में चैयरमेन को ज्ञापन सौंपा, साथ



ही 15 अक्टूबर 2025 को। कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव तत्व से मुलाकात किए, एवं कोयला मंत्री किशन रेड्डी से वार्ता कर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सी आई एल ई- ऑक्शन योजना 2022 में किए गए संशोधन, जिससे देशभर के कोयला व्यापारी, उपभोक्ता एवं विभिन्न एसोसिएशन द्वारा उठाए गए मुद्दों को उनके समक्ष रखार एवं सीआईएल के पुराने प्रावधानों को पुनः लागू करने कराने एवं नई नीति संशोधन को तुरंत वापस लेने हेतु आग्रह किया जिससे ई- ऑक्शन प्रणाली को पूर्ववत हो, ताकि व्यापारिक पारदर्शिता, निष्पक्षता और उपभोक्ता हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी ने स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं को मजबूती से उठाया एवं इस विषय पर विशेष ध्यानाकर्षण कराते हुए केंद्र सरकार और कोल इंडिया लिमिटेड से आग्रह किया था कि

इस नीति संशोधन को तुरंत वापस लिया जाए और ई-ऑक्शन प्रणाली को पूर्ववत किया जाए ताकि व्यापारिक पारदर्शिता, निष्पक्षता और उपभोक्ता हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। कोयला व्यापारियों के लंबे समय के विरोध और सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी के द्वारा कोयला मंत्रालय से लगातार संवाद व अथक प्रयासों का सकारात्मक परिणाम के फलस्वरूप अंततः कोल कंपनी ने कारोबारियों की मांगों को स्वीकार करते हुए आगामी 01 नवंबर से कोयले की अनिवार्य सैपलिंग की शर्त को वापस लेने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस ऐतिहासिक फैसले से कोयला व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों और मजदूरों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस फैसले से पूरे झारखंड के कोयला क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के नेतृत्व और संघर्ष की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने एक बार

फिर साबित किया है कि वे जनता के सच्चे प्रतिनिधि हैं। सांसद ने कोल मंत्रालय को आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय न केवल व्यापारियों के लिए राहत भरा है, बल्कि इससे कोयले के विपणन में पारदर्शिता और गति भी आएगी। इस ऐतिहासिक फैसले को स्वागत करते हुए आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव सह जिला सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी ने कहा कि इस ऐतिहासिक निर्णय से कोयला लोडिंग और ढुलाई कार्य में आ रही बाधाएं समाप्त होंगी। इस ऐतिहासिक निर्णय से विस्थापितों को वैकल्पिक रोजगार के अवसर बरकरार रहेंगे। आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव सह धनबाद जिला सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी ने मजदूरों कि आवाजों को बुलंद करने व जनहित के इस सराहनीय प्रयास हेतु माननीय सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी को आभार व्यक्त किया एवं कोयला व्यवसायियों व मजदुरों को हार्दिक बधाई दी।

कार्यक्रमों की शुरुआत एलईडी वैन के फ्लैग-ऑफ से होगी, जिसके माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्ट्रीट डांस एवं फ्लैश मॉब के जरिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साइकिल रैली निकाली जाएगी, जो जिले के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचेगी। इसके साथ ही वॉल पेंटिंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विद्यार्थियों और स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। साथ ही रांची के मोरहाबादी में एक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें जिले की सभी विशिष्ट उपलब्धियाँ प्रदर्शित की जाएंगी। विभिन्न विभाग अपने कार्य और प्रगति को

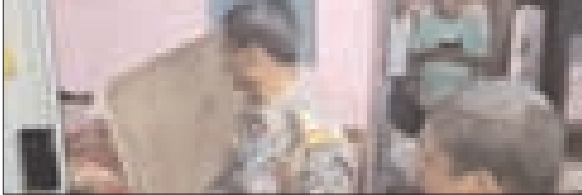
प्रदर्शित करेंगे एवं स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग अपने प्रमुख कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। 29 तारीख को सभी भर्ती संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि एवाईएसएडी के तहत विभिन्न विकासपरक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे ब्लड डोनेशन बस और पॉलीटेक्निक बस का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही स्मार्ट स्कूल, ऑब्जर्वेशन होम कैप, सदर पंजीयन काउंटर, जेआरडीए, ई-रिक्षा वितरण, सोलर स्ट्रीट लाइट तथा जरूरतमंदों के बीच स्वेटर एवं कंबल वितरण किया जाएगा। धनबाद जिला प्रशासन सभी जिलेवासियों से अपील करती है कि है कि वे उत्साह एवं गर्व के साथ सभी कार्यक्रमों में सहभागिता करें और राज्य के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

अपने पिता के हत्यारा पुत्र को दुमका पुलिस ने एक दिन में किया गिरफ्तार

नवप्रदेश/दुमका/सैरयाहाट। 29 अक्टूबर बुधवार को थाना प्रभारी, सैरयाहाट को सूचना मिला कि ग्राम विशनपुर (संथाली टोला) में अपना ही बेटा के द्वारा अपने पिताजी को मार पीट कर हत्या कर दिया हैं। इस आशय का सनहा दर्ज करते हुए वरीय पदाधिकारी को सूचित करते हुए मैं पु०अ०नि० राजेन्द्र यादव थाना प्रभारी सैरयाहाट, पु०अ०नि० विकेश कुमार मेहरा एवं सशस्त्र बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचने के लिये प्रस्थान किया। घटना स्थल पर पहुंचने पर देखे कि पुतीराम हाँसदा, पिता-स्व०-विजद हाँसदा अपने आँगन में मृत अवस्था में खून से लतपथ पड़ा हुआ है। उनके परिजन एवं अन्य ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि मृतक का लड़का के द्वारा ही अपने पिताजी को मारपीट कर हत्या कर दिया हैं। शव का सभी कागजात तैयार कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया एवं पुलिस बल के सहयोग से अभियुक्त का खोज बिन किया लेकिन अभियुक्त नहीं मिला पुनः थाना आकर वरीय पदाधिकारी के निर्देशानुसार छापा मारी टीम का गठन किया एवं छापामारी टीम के द्वारा के त्वरित कारवायी करते हुए काण्ड के प्राथमिकी अभियुक्त जीवन हांसदा, उम्र करीब 31 वर्ष पिता स्व० पुतीराम हांसदा, ग्राम-विशनपुर (संथाली टोला), थाना- सैरयाहाट, जिला- दुमका को विधिवत गिरफ्तार किया गया एवं न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा हैं।

सुदामडीह के न्यू कॉलोनी दंगाल घौड़ा में चोरों का आतंक दो घरों से 1 लाख 10 हजार नगदी और जेवरात समेत लाखों की चोरी को दिया अंजाम

नवप्रदेश संवाददाता



घर पहुंचे तो देखा घर का सारा सामना बिखरा पड़ा है। ज्योति केसरी ने बताया कि छठ पूजा के मौके पर अपने साम के घर गए हुए थे। कॉलोनी लोगों ने ही सूचना दिया घर का दरवाजा टूटा हुआ है आकर देखा तो आलमारी में रखे सोने का हार, सोना का टीका, नाथिया, बाला, पायल, बिछिया, 40 हजार का बर्तन सहित नगदी एक लाख 10 हजार रुपए वह भी

गायब है। स्थानीय पिंटू कुमार ने बताया कि कालोनी में दो घरों में चोरी हुई है। दूसरा घर मनोज राजभर का है जो छठ पूजा अपने गांव यूपी गए हैं। घर के मालिक आने के बाद ही पता चलेगा घर से क्या क्या चोरी हुई है। घर के मालिक रमेश केसरी ने सुदामडीह थाना को सूचना दी। सुदमडीह पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है और कॉलोनी के लोगों से पूछताछ कर रही है।

आंवला अक्षय नवमी पर राम कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़, विष्णु आराधना से गुंजा वातावरण

नवप्रदेश/धनबाद। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय नवमी तिथि पर मनाई जाने वाली आंवला नवमी (अक्षय नवमी) के पावन अवसर पर धनबाद शहर में धार्मिक उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही बैंक मोड़ स्थित राम कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं और पुरुष पारंपरिक परिधान में सजे-धजे आंवला वृक्ष की पूजा करने पहुंचे। पूजा-अर्चना में शामिल हुई श्रद्धालु समंती शर्मा ने बताया कि सनातन परंपरा में आंवला नवमी का विशेष धार्मिक महत्व है। मान्यता है कि इस दिन आंवला वृक्ष के नीचे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का वास होता है। जो भी भक्त श्रद्धा और भक्ति के साथ आंवला वृक्ष की पूजा करते हैं वे सीधे भगवान विष्णु की शरण में जाते हैं और उन्हें अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि इस दिन पूजा करने से पापों का नाश होता है और व्यक्ति को दीर्घायु, सुख-समृद्धि और शांति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। पूजा के उपरांत मंदिर में भगवान विष्णु की कथा का श्रवण किया गया। जिसमें पौराणिक प्रसंगों के माध्यम से आंवला नवमी के धार्मिक महत्व को बताया गया। श्रद्धालुओं ने आंवला वृक्ष की सात बार परिक्रमा की, दीप प्रज्वलित किए और अपने परिवार के कल्याण के लिए प्रार्थना की। श्रद्धालुओं ने पीडितों को चावल, दक्षिणा, वस्त्र और अन्य वस्तुएं गुप्त रूप से दान कीं। मान्यता है कि इस दिन किए गए दान का फल अक्षय होता है और यह आने वाले जीवन में सौभाग्य और समृद्धि का द्वार खोलता है।

गृह रक्षकों के नव नामांकन हेतु प्राप्त आवेदन को ले उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई बैठक



नवप्रदेश/धनबाद। धनबाद जिलान्तर्गत गृह रक्षकों के नव नामांकन हेतु आवेदन प्राप्त की गई थी जिसे लेकर उपायुक्त सह समिति के अध्यक्ष आदित्य रंजन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान निर्गुक्ति की रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस दौरान समिति के द्वारा सर्वसम्मति से वैसे आवेदन जिसमें त्रुटि रह गई है उनकी सूची प्रकाशित करते हुए दावा आपति प्राप्त करने का निर्णय लिया गया तथा गृह रक्षकों के नव नामांकन की प्रक्रिया शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण करने के लिए (विचार विमर्श) कार्य योजना बनायी गई। मौके पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, एडीएम लॉ एंड आर्डर हेमा प्रसाद, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा दीपक दुबे, होमगार्ड डीएसपी सूर्यकांत कुमार, डीआईओ सुनीता तुलस्थान समेत अन्य मौजूद रहें।

एक नजर

पाथरडीह पीओ कार्यालय में जमस कुंती बच्चा गुट के साथ वार्ता

नवप्रदेश/धनबाद/झरिया। पाथरडीह पाथरडीह कोल वाशरी स्थित मिवान स्टील(मोनेट) कोल वाशरी के आर ओ एम विभाग, हापड, स्टोर सड़क पर फैल रही भारी प्रदुषण की रोक थाम के लिए 24 घन्टे पानी का छिड़काव करने, सीएसआर के तहत अगल बगल गाँवों का विकास करने,एसआईएस के जवानों को 12 घन्टे की जगह 8 घन्टे काम लेने सहित19 सूत्री मांगों को लेकर जनता मजदूर संघ बच्चा गुट के बैनर तले 1 नवम्बर से आहत मजदूरों का दो दिवसीय धरना प्रदर्शन एवं 3 नवम्बर से चक्का जाम हड़ताल की चेतावनी पर प्रबंधन व यूनियन प्रतिनिधियों के साथ गुरुवार को हुई वार्ता के बाद वापस ले लिया गया है। बीसीसीएल के पाथरडीह कोल वाशरी के पीओ कार्यालय में गुरुवार को प्रबंधन की ओर से जनता मजदूर संघ बच्चा गुट के प्रतिनिधियों की एक बैठक बुलाई गई। जिसमें यूनियन की अधिकांश मांगों पर प्रबंधन ने सहमति जताई है। जबकि कुछ मांगों पर उच्च प्रबंधन से वार्ता कर सकारात्मक पहल करने की आशवासन दिया। जिसके बाद आंदोलन वापस ले लिया गया है। मजदूरों के मांगों में मिवान स्टील (मोनेट) कोल वाशरी के बी ओ बी आर में भाटडीह के बेरोजगार युवकों को रोजगार दिया जाय। प्लांट में दुर्घटना होने पर 24 घन्टे एम्बुलेंस को वयस्था होना चाहिए। प्रबंधन को मजदूरों को पीने का पानी रेस्ट हाउस की व्यवस्था करनी होगी। अरती देवी को विस्थापन का बकाया 20 हजार रुपये की राशि का अविलम्ब भुगतान किया जाय। मोनेट एवं एसीबी के ठेका मजदूरों का दुर्गा पूजा के अवसर पर मिलने वाली बोनस की राशि का भुगतान जल्द किया जाय आदि मांगे शामिल है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संदेश देगा मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा

नवप्रदेश/धनबाद/झरिया। राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर) के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच-झरिया शाखा द्वारा ह्दएक भारत-श्रेष्ठ भारत तथा ह्दविविधता में एकता-हमारी पहचान विषयों पर पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों से आह्वान किया गया है कि वे अपने रचनात्मक पोस्टर और प्रभावशाली स्लोगन के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता का संदेश समाज तक पहुंचाएं। दोनों प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन-तीन प्रतिभागियों को विशेष सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। प्रविष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025, रात्रि 11:59 बजे निर्धारित की गई है। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियाँ व्हाट्सऐप नंबर 7004381542 पर भेज सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक हितेन शर्मा ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह वर्ष देश के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का भी प्रतीक है। मंच इस अवसर को राष्ट्रीय एकता और अखंडता के संदेश के साथ विशेष रूप से मना रहा है। इसके साथ ही, मारवाड़ी युवा मंच झ झरिया शाखा द्वारा किट्स गार्डन सेकेंडरी स्कूल में 31 अक्टूबर की सुबह प्रार्थना सभा (मॉर्निंग असेंबली) के दौरान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई जाएगी, जिससे बच्चों में देशभक्ति, सहयोग और एकता की भावना सुदृढ़ हो। मारवाड़ी युवा मंच का यह प्रयास समाज में एकता, सद्भाव और राष्ट्रप्रेम के भाव को सशक्त करने की दिशा में एक प्रयास है।

हरनौत विधानसभा पहुंचे सीएम नीतीश, एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की जनसभा को संबोधित कर कहा विकास की रफ्तार बनी रहे

नवप्रदेश/धनबाद/नालंदा। नालंदा जिला के हरनौत विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चंडी बाजार में एन.डी.ए प्रत्याशी हरि नारायण सिंह के समर्थन में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक विशाल जनसभा को संबोधित कर एनडीए प्रत्याशी हरि नारायण सिंह के पक्ष में मतदान करने का अपील किया। जदयू पार्टी के राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने अपने विचार व्यक्त कर श्रोताओं से हरि नारायण सिंह को भारी मतों से जीताने का अपील किया। उक्त मौके पर झारखंड जदयू के प्रदेश महासचिव सह मुख्यायय प्रभारी श्रवण कुमार, पार्टी के धनबाद जिलाध्यक्ष पिंटू कुमार सिंह, युवा प्रकोष्ठ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष निर्मल सिंह आदि मौजूद थे।

दिल्ली-हावड़ा मुख्य मार्ग पर सड़क हादसा, एक महिला की दर्दनाक मौत



नवप्रदेश/धनबाद/निरसा। धनबाद के निरसा थाना क्षेत्र स्थित एनएच-19 दिल्ली-हावड़ा रोड पर एक बार फिर दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। सड़क पार कर रही बाईक सवार महिला को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मृतका की पहचान निरसा के मापूडीह निवासी के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाईक से महिला सड़क पार कर रही थी, तभी अचानक ट्रक ने उसे अपनी चोपट में ले लिया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि महिला का शव उठाए जाने के तुरंत बाद उसी स्थान पर एक और दुर्घटना हुई, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि निरसा क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। पुलिस की लापरवाही और ट्रैफिक कंट्रोल के अभाव में आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं और लोगों की जान जा रही है।

बढ़ती सड़क दुर्घटना के मद्देनजर पूरे जिले में धनबाद पुलिस ने चलाया विशेष जांच अभियान



नवप्रदेश/धनबाद। सड़क दुर्घटनाओं में बढ़तीरती को देखते हुए धनबाद पुलिस ने गुरुवार को जिले भर में ट्रैफिक नियमों को सख्ती से पालन करने के लिए विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश अनुसार शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस क्रम में ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में सिटी सेंटर चौक और सरायडेला मोड़ पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान दर्जनों वाहन चालकों का चालान काटा गया। कई दोषहिया चालकों को बिना हेल्मेट चलने, वाहन कागजात अधूरे होने और अन्य नियमों का उल्लंघन करने पर दंडित किया गया। डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि लोगों से लगातार अपील की जा रही है कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन करें। ऐसा करने से न केवल सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि अपनी और दूसरों की भी सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के वाहन जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

सशक्त भारत के वास्तुकार सरदार वल्लभभाई पटेल

गिरीश्वर मिश्र

अंग्रेजी राज के विरुद्ध राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में देश के एक सच्चे सिपाही के रूप में वे समर्पित भाव से कार्य करते रहे। खेड़ा और बारडोली के सफल जन आंदोलनों का नेतृत्व करने के बाद देशभर में वे सरदार के रूप में प्रसिद्ध हो गए। सभी लोग इनके नेतृत्व और संगठन की सुझबूझ और क्षमता के कायल हो गए थे। वे शीघ्र ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता बने और आजाद भारत के आरंभिक वर्षों में देश के उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना मंत्री आदि के रूप में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं थीं। सरदार पटेल राजनीतिक स्वतंत्रता को पर्याप्त नहीं मानते थे। वे स्वतंत्रता के साथ हुए अखंड भारत के विभाजन के घाव से दुखी थे। वे कहते हैं एक बड़ी लम्बी लड़ाई के बाद देश को आजादी मिली। पर यह वैसी स्वतंत्रता नहीं है जैसी हम सब चाहते थे।

सरदार पटेल स्वतंत्र भारत की मूर्त संकल्पना के अप्रतिम वास्तुकार थे। अंग्रेजी राज के विरुद्ध राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में देश के एक सच्चे सिपाही के रूप में वे समर्पित भाव से कार्य करते रहे। खेड़ा और बारडोली के सफल जन आंदोलनों का नेतृत्व करने के बाद देशभर में वे ह्दसरदारह्द के रूप में प्रसिद्ध हो गए। सभी लोग इनके नेतृत्व और संगठन की सुझबूझ और क्षमता के कायल हो गए थे। वे शीघ्र ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक प्रमुख नेता बने और आजाद भारत के आरंभिक वर्षों में देश के उप प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना मंत्री आदि के रूप में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं थीं।

राजनीतिक स्वतंत्रता को पर्याप्त नहीं मानते थे। वे स्वतंत्रता के साथ हुए अखंड भारत के विभाजन के घाव से दुखी थे। वे कहते हैं एक बड़ी लम्बी लड़ाई के बाद देश को आजादी मिली। पर यह वैसी स्वतंत्रता नहीं है जैसी हम सब चाहते थे। यह वह स्वतंत्रता भी नहीं थी जैसी इसे देने वाले, हम लोगों के बापू, चाहते थे और हमारी अपनी गलती से हमने उनको खो दिया। अब उनके जाने के बाद हमें व्रत लेना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि वह स्वतंत्रता मिले जो वह हमारे लिए चाहते थे। यह वह समय था जब भारत के दो खंड थे: एक अंग्रेजी राज वाला और दूसरा राजाओं, रजवाड़ों और रियासतों वाला। अपने अथक प्रयास से

सरदार पटेल ने 565 रियासतों का भारतीय संघ में शांतिपूर्ण विलय कराया। भारत के राजनैतिक एकीकरण का यह अनोखा प्रयोग था। ह्दलौह पुरुषह्द सरदार पटेल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से आयु में 6 वर्ष छोटे और नेहरू जी से 10 वर्ष बड़े थे । भारत को 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों के चंगुल से आजादी मिली थी। पाँच महीने बाद 30 जनवरी 1948 को गांधीजी का देहांत हुआ था। उसके दो वर्ष बाद सरदार पटेल 15 दिसम्बर 1950 को स्वर्गवासी हुए थे। आधुनिक भारत को गढ़ने में उनकी अविस्मरणीय भूमिका थी। उन्होंने देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को ध्यान में रखते हुए एक समर्थ भारत की नींव रखी। देश भक्ति, संयम और हढ़ता की मिसाल होने सरदार आधुनिक भारत के निर्माण की धुरी बन गए। गांधीजी ने यदि स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी तो सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के परिणाम को भौतिक जामा पहनाया।

राष्ट्र निर्माण पर विचार करते हुए सरदार पटेल प्रत्येक नागरिक के लिए श्रम और समर्पण को आवश्यक मानते थे । समाज की समावेशी दृष्टि रखते हुए वे अल्पमत और बहुमत की जगह सर्वमत पर बल देते थे। वे राष्ट्र के रूप में भारत और उसके नागरिकों के बीच परस्पर पोषक और पोषित होने के भाव की परिकल्पना करते थे। स्वतंत्रता और समानता के मूल्यों के प्रति उनका अविचल समर्पण था। उन्होंने पुरानी इंडियन



सिवल सर्विसेज की जगह भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइ ए एस) का गठन कर प्रशासन को एक सबल आधार दिया। वे कम खर्च, अधिक बचत और निवेश की नीति को भी प्रोत्साहित कर रहे थे और उदारतापूर्वक औद्योगिकीकरण का भी समर्थन कर रहे थे। देश के वे आर्थिक सुधार जो बाद में 1990 के दशक में देश में आए वे सरदार पटेल की नजरों में 1950 में ही आ चुके थे। अत्यान्य कारणों से तब वैसा न हो सका था।

सरदार पटेल मानते थे कि राष्ट्र का स्वरूप उसके नागरिकों पर निर्भर करता है। इसी कारण भारत के नागरिकों को उनकी भूमिका के लिए सचेत करते हुए वे नागरिक कर्तव्यबोध को जगाने के लिए वे कहते थे कि हमें एक दुर्लभ

अवसर मिला है कि हम अपने देश को अपने रूचि और ढंग से बना सकें। वे केवल यांत्रिक स्तर पर राष्ट्र-निर्माण का आह्वान नहीं कर रहे थे, बल्कि राष्ट्र को अपनी अस्मिता का अभिन्न अंग मानते हुए उसके समग्र विकास को सामने लाते हैं। इस समग्र विकास में उन्होंने देश की एकता को सर्वोपरि माना। वे मानते थे कि एक मजबूत भारत को बनाने के लिए एकता और शांति सबसे पहली जरूरत है। यदि देश में एकता न हो, तो निश्चय ही उसका पतन होगा। इसलिए हमें अपने मतभेदों को सुलझाना होगा और इस तरह बर्ताव करना होगा कि देश में पूरा सामंजस्य और अमन-चैन हो तथा शांति बनी रहे। सरदार पटेल की कल्पना के भारत में एकता और शांति बाहर से थोपे

और जबरन शक्ति से नियंत्रित होने वाले तत्व नहीं है बल्कि वे भारत के निमातों नागरिकों की स्वभावगत विशेषताएं हैं। जब इन विशेषताओं को हर नागरिक मनो-सामाजिक स्तर पर भारत से जोड़ कर देखेगा तो वह इनके आलोक में आत्मानुशासित होगा। इस आत्मानुशासन के कारण उसकी अधीरता नियंत्रित होगी। सरदार चेताते हैं कि एकता के लिए हमको जाति और धर्म के भेद-भाव को भूलना होगा और यह याद रखना होगा कि हम सब भारतीय हैं और सभी बराबर हैं। एक स्वतंत्र देश में एक-दूसरे के बीच कोई भेद नहीं हो सकता। सभी के पास समान अवसर, समान अधिकार और समान उत्तरदायित्व होना चाहिए। इसे अभ्यास या व्यवहार में उतार पाना कठिन है परंतु हमें इस लक्ष्य को पाने की दिशा में सदैव कार्य करते रहना होगा।

सरदार पटेल के अनुसार राष्ट्रीय एकता ही भारत को सामर्थ्यवान बना सकेगी। एकता को सदा पोषित करना होगा। इसके लिए वे ह्दनागरिकोह्द को लघु अस्मिता के दायरे से उठने का आह्वान भी करते हैं। उन्हें यह मालूम था कि आने वाले दिनों में राष्ट्रहित और लघु समूहों के हितों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। इसी कारण वे इनके बीच सामंजस्य के लिए गांधीजी के आदर्श साधनों को लोकजीवन में अपनाने की पैरवी करते हैं। भारत के विभाजन को लेकर सरदार पटेल

की राय थी कि तत्कालीन परिस्थितियों में वही एकमात्र समुचित विकल्प बचा था ह्दयह ठीक ही हुआ कि सारी बुराइयों के बावजूद हम विभाजन पर सहमत हो गए। विभाजन को स्वीकार करने को लेकर मैंने कभी पछतावा नहीं किया। एक साल के संयुक्त सरकार चलाने के अनुभव से जब हम विभाजन से सहमत नहीं थे, मुझे यह ज्ञात हुआ कि यदि हम सहमत न होते तो बड़ी भारी गलती हुई होती और पछतावा होता। इसका परिणाम दो टुकड़ों में नहीं वरन देश कई टुकड़ों में हम सबका विभाजन से सहमत होना देश की भलाई में था।

पटेल की इस स्वीकारोक्ति में एक तरह की भविष्य की इबारत लिखी थी। वे आगे की स्थिति की संकल्पना कर रहे थे। उनकी दृष्टि में आंतरिक शांति और एकता दोनों ही अपरिहार्य थे। वे विभाजनकारी शक्तियों के समूल नाश के लिए स्वयं प्रतिबद्ध थे और सबसे अपेक्षा भी करते थे। यह प्रतिबद्धता ही भारत की उनकी परिकल्पना का अद्वितीय पक्ष है जिसके लिए राष्ट्रबोध सदैव बना रहना चाहिए। सरदार पटेल राष्ट्रबोध को साकार करने का आह्वान करते हैं। वे राज्य की व्यवस्थाओं के भीतर विद्यमान जड़ताओं से मुक्ति को भी आवश्यक मानते हैं। राज्य अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सके, इसके लिए राज्य के तंत्रों को भी अपनी मन-स्थिति और कार्यसंस्कृति को बदलना होगा। सरदार पटेल सुक्ष्म

स्तर पर अपने स्वार्थ को साध रहे समूहों को चिन्हित करते हैं और उनको सचेत करते हैं कि जिस प्रतिरोध को वे अपने हित का माध्यम मान रहे हैं, उससे कहीं न कहीं उनका भी नुकसान हो रहा है। वे राजनीति द्वारा आर्थिक हितों को साधने की प्रवृत्ति को भी प्रश्नांकित करते हैं। उनके अनुसार राजनीतिक और आर्थिक हितों के नाम पर लोकतंत्रात्मक मूल्यों की अनदेखी से व्यवस्था की अवनति होगी।

सरदार पटेल ने देश के प्रत्येक समूह को राष्ट्रनिर्माण के लिए आमंत्रित किया। किसान, उद्योगपति, व्यापारी, विद्यार्थी सभी से वे खुला संवाद करते हुए उनके मन में भविष्य के भारत की परिकल्पना करते थे। वे तत्कालीन परिस्थितियों में आमजन की उदासीनता को दूर करने के लिए राज्य के उस स्वरूप को आगे रखते थे जहां राज्य शक्ति से संचालित न होकर नागरिकों के शक्तिपुंज से संचालित था। भारतीय लोक मास में आज भी सरदार पटेल की हढ़ता, देश के प्रति निःस्वार्थ अनुराग और स्वतंत्रता के प्रति आग्रह की उज्ज्वल छवि एक मिसाल के रूप में अंकित हैं। त्याग और समर्पण के साथ उनके द्वारा एक समर्थ भारत का आधारशिला रखी गई। समता, समानता और स्वतंत्रता इस अभिनव संकल्पना के मूल तत्व थे । यह स्वतंत्रता अक्षत बनी रहे इसके लिए सतर्कता, तैयारी और सामर्थ्य की सदैव अपेक्षा रहेगी। एक आदर्श नेतृत्व द्वारा सरदार

समाहिन से हैलोवीन तक: आत्माओं, अलाव और आनंद का उत्सव

हैलोवीन ऐसा उत्सव है जो हर साल 31 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह केवल एक पार्टी या वेशभूषा का पर्व नहीं है बल्कि इसमें इतिहास, रहस्य और संस्कृति का अनूठा संगम छिपा है। पश्चिमी ईसाई धर्म के ऑल सेंट्स डे की पूर्व संध्या पर मनाया जाने वाला यह पर्व आधुनिक समय में मनोरंजन और डरावने रस के साथ-साथ ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी रखता है। इसकी जड़ें प्राचीन सेल्टिक परंपराओं में हैं, जो आज के आधुनिक स्वरूप तक विकसित होती चली आई हैं।

हैलोवीन की उत्पत्ति लगभग सातवीं शताब्दी तक जाती है, जब सेल्टिक लोग अपने नए साल के जश्न समाहिन के अवसर पर बुरी आत्माओं को दूर भगाने के लिए अलाव जलाते और मुखौटे पहनते थे। यह पर्व मुख्यतः फसल के मौसम के अंत और ठंडी ऋतु के आगमन का संकेत देता था। उन्हें विश्वास था कि इस दिन मृतकों की आत्माएं धरती पर वापस आती हैं और जीवित लोगों



की दुनिया के बीच की सीमा धुंधली हो जाती है। इसलिए, वे अपने घरों और गांवों को आग और धुएं से सुरक्षित रखते, डरावने मुखौटे पहनते और जश्न मनाते।

समाहिन उत्सव के दौरान लोग रात में बड़े अलाव जलाते और उनसे निकलने वाली रोशनी और धुआं बुरी आत्माओं को भटकाने के काम आता। इसके साथ ही, लोगों ने अपने चेहरे पर डरावने मुखौटे पहनकर आत्माओं को भ्रमित करने और सुरक्षित रहने

की परंपरा बनाई। यह सामूहिक उत्सव न केवल सामाजिक एकता का प्रतीक था बल्कि जीवन और मृत्यु, अंधकार और प्रकाश के बीच के संबंध को भी दर्शाता था।

सेल्टिक परंपराओं में रोमनों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। रोमनों ने सेल्टिक क्षेत्रों में अपने धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों को समाहित किया। इनमें से एक प्रमुख उत्सव था फेरीलिया, जो खोई हुई आत्माओं की स्मृति और सम्मान में मनाया जाता था। रोमन परंपराओं के शामिल होने से

हैलोवीन उत्सव को नया अर्थ मिला, जिसने इसे अधिक सामाजिक और सांस्कृतिक रूप दिया। हैलोवीन आधुनिक समय में केवल धार्मिक या आध्यात्मिक पर्व नहीं रहा, यह अब एक वैश्विक उत्सव बन गया है, जिसमें रचनात्मकता, डर और मनोरंजन का समावेश है। कद्दू को काटकर चेहरे केकड़े जाते हैं और उसके भीतर मोमबत्तियां लगाई जाती हैं। यह केवल सजावट नहीं बल्कि प्राचीन विश्वास के अनुसार बुरी आत्माओं को डराने और उन्हें घर से दूर रखने का माध्यम भी है। अजीब तरह के चेहरे और प्रकाश का खेल रात के अंधकार में डर और रहस्य को बढ़ा देता है।

हैलोवीन के दौरान ट्रिंक-ऑर-ट्रीटिंग का चलन सबसे मजेदार और बच्चों के लिए प्रिय परंपरा है। यह परंपरा मध्यकालीन यूरोप से आई है, जब लोग मृतकों की आत्माओं के सम्मान में अपने घरों पर भोजन और मिठाई छोड़ते थे। धीरे-धीरे यह खेल-खेल में बच्चों के लिए मिठाई और उपहार लेने की परंपरा में बदल गया।

आज, बच्चे डरावने वेशभूषा में अपने पड़ोसियों के घर जाकर मिठाई लेने का आनंद लेते हैं और यदि उपहार न मिले तो हल्की शरारत करना भी इस परंपरा का हिस्सा बन गया है। हैलोवीन की रंगत में काले और नारंगी रंग का विशेष महत्व है। नारंगी रंग फसल और पतझड़ के मौसम का प्रतीक है जबकि काला अंधकार, मृत्यु और रहस्य को दर्शाता है। सांस्कृतिक रूप से हैलोवीन ने दुनियाभर में अपनी पैठ बना ली है। अमेरिका में इसे बड़े उत्साह और व्यावसायिकता के साथ मनाया जाता है। घरों और दुकानों में डरावनी सजावट की जाती है, थीम आधारित पार्टियां आयोजित की जाती हैं और बच्चों के साथ-साथ वयस्क भी इस उत्सव में शामिल होते हैं। इसके अलावा, हॉरर फिल्मों की स्क्रीनिंग और हैलोवीन खेल जैसे भूतिया घर की सैर, डरावनी कहानी सुनाना और परंपरागत खेल इस उत्सव की आकर्षक विशेषताएं हैं।

हैलोवीन के आधुनिक उत्सव में खाद्य संस्कृति का भी

एक अलग ही महत्व है। कैंडी, कैंडी सेब, मिठाई और अन्य स्वादिष्ट व्यंजन इस दिन का मजा बढ़ाते हैं। बच्चों के लिए यह दिन केवल डर और मजा ही नहीं बल्कि साझा करने और आनंद लेने का भी प्रतीक है। मोमबत्तियां, अलाव और सजावट से जुड़े तत्व इसे एक सामूहिक और सामाजिक अनुभव में बदल देते हैं, जो परिवार और मित्रों के साथ बिताए गए समय को यादगार बनाता है।

हैलोवीन केवल डर और मनोरंजन का पर्व नहीं है, बल्कि यह मानव संस्कृति और इतिहास का प्रतीक भी है। समय के साथ हैलोवीन का महत्व बदलता रहा है लेकिन इसका मूल संदेश आज भी उनना ही प्रासंगिक है। चाहे आप जैक-ओ-लालटेन बनाएं, ट्रिंक-ऑर-ट्रीटिंग करें या केवल दोस्तों के साथ डरावनी कहानियां साझा करें, हैलोवीन हर बार नए अनुभव और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह उत्सव जीवन की जटिलताओं, अंधकार और प्रकाश के बीच संतुलन का प्रतीक है।

महाबिखराव के करीब है महागठबंधन



चन्दन कुमार, नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी का जो रुख दिखाई पड़ रहा है, उससे यह साफ प्रतीत होता है कि इस चुनाव मे कांग्रेस पार्टी ने आरंभडी और वीआईपी के समक्ष समर्पण कर दिया है। शायद यही वजह है कि चुनाव के ऐसे मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रचार-प्रसार से दूरी बना लिए थे। जब मीडिया में इस बात की चर्चा जोर पकड़ने लगी, तब जाकर पहले वरण के मतदान से ठीक पाँच दिन पहले राहुल गांधी को मजबूरन जनसभा करनी पड़ी। यही कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी चुनाव से ठीक पहले एसआईआर (र.कफ.) के मुद्दे को लेकर पूरे बिहार की यात्रा पर निकले थे। वोटर अधिकार यात्रा के माध्यम से लग रहा था कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव मे कांग्रेस पूरे दमखम के साथ उतरेगी। लेकिन महागठबंधन मे जब से सीटों का बटवारा हुआ और मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री के नामो को लेकर खिचतान की स्थिति बनी। तभी से राहुल गांधी को इस चुनाव से दूरी बनाते हुए देखा गया। तेजस्वी यादव उसने मिलने के लिए दिल्ली तक जा पहुंचे, लेकिन राहुल से मुलाकात न हो सकी। पहले सीटों की रस्साकशी फिर टिकट बँटवारे पर पंच फंस गया और कांग्रेस नेताओं में ही नाराजगी नजर आई। इस दौरान राहुल ही या ग्रियंका दोनों का बिहार मे मसले में प्रत्यक्ष रूप से कोई दखल नजर नहीं

आया। राहुल गांधी की कोई प्रतिक्रिया भी नजर नहीं आ रही थी। जब एनडीए के नेताओं ने इस मामले को लेकर सवाल पूछना शुरू किया। अपने मंच और मीडिया के माध्यम से राहुल गांधी और ग्रियंका गांधी की चुनावी भूमिका को लेकर ततावाड़ सवाल उठने लगे, तो अंततोगत्वा राहुल गांधी को प्रचार के लिए उतरना पड़ा। इससे तो पहले ही साफ हो गया है कि इस बार महागठबंधन का चुनाव कैपेन बिहार में वोटर अधिकार यात्रा से अलग होगा। चुनाव कैपेन का नेतृत्व तो तेजस्वी यादव ही करने जा रहे हैं। जबकि वोटर अधिकार यात्रा में ये काम राहुल गांधी कर रहे थे। लेकिन लालू यादव के राष्ट्रीय जनता दल के धीरे धीरे पाँव पसारते हुए आगे बढ़ने के बाद कांग्रेस का हाल करीब करीब किनारे लगा दिए जाने जैसा ही है। बिहार में महागठबंधन के भीतर अब सब कुछ गठबंधन का चुनाव के इर्द-गिर्द घूमता नजर आ रहा है। कांग्रेस और राहुल गांधी की भूमिका काफ़ी हद तक सीमित हो चुकी है। लंबे समय तक इन अभियान से दूर रहने के बाद आखिरकार राहुल गांधी की बिहार के चुनावी रण मे एंट्री हो गई है। अब ऐसे मे क्या इतने लंबे समय के अंतराल की गैरमजदूगी से कॉंग्रेसी कार्यकर्ताओं मे जो मायूसी उत्पन्न हुई थी। उसको राहुल गांधी कुछ दिनों मे भर पायें क्या ? आज भी यह सवाल बना हुआ है कि आखिर इतने दिनों तक इस चुनावी अभियान से क्यों दूर थे राहुल गांधी ? इसका जबाब वो देंगे क्या ? इन सब बातों को लेकरनार करते हुए राहुल गांधी केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर ही कटाक्ष करने मे लगे हुए है। जबकि बिहार मे महागठबंधन के भविष्य और प्रदेश नेतृत्व के विषय को लेकर संदेह बना हुआ है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल: राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पीकार

सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे जो भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और स्वतंत्र भारत में सभी रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसके लिए उन्हें 'लौह पुरुष' भी कहा जाता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय नागरिक सेवाओं आईसीएस का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं आईएएस बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भर कर उन्हें देशभक्ति की ओर मोड़ा।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्भ्रुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलााने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जुनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थीं। महात्मा गांधी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। भारतीय

राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम से उनका महत्वपूर्ण योगदान था। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाद में लेवा पट्टीदार जाति के जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी पत्नी से थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में सरदार पटेल की धर्मपत्नी का निधन हो गया। उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कुतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के

तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनों ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। साल 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन में लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ़ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण कराया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलााने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए

भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा। जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व काई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन के सामने हार का सामना करना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं।

सरदार पटेल का मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 199१ में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हें बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले

में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगुनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदजा लगाना जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात ही हैं। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह हढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व हढ़ मनोबल के दम पर उन्होंने देश की आजादी के संघर्ष में उन्होंने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होंने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिपीकार व नये भारत के निमातों थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

एक नजर

झारखंड आंदोलनकारियों के जत्था ने किया अविनाश देव का सम्मान

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। झारखंड आंदोलनकारियों के एक जत्था ने बुधवार को संत मरियम स्कूल के चेंबरमेन, युवा झामुमो नेता सह झारखंड सरकार के माटी बोर्ड के निवर्तमान सदस्य अविनाश देव को सम्मानित करते हुए आगामी 06 नवंबर को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय झारखंड आंदोलनकारी सम्मेलन में शामिल होने का न्यौता दिया। इस अवसर पर पलामू जिला अध्यक्ष दाऊद केरकेट्टा, जिला सचिव राजू प्रजापति, प्रदीप सिन्हा, सुलेमान अंसारी, संजय बर्मन, शंखनाथ सिंह चैरो एवं हेरेन हेब्रम सहित कई आंदोलनकारी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि यह सम्मेलन झारखंड राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राज्य के विभिन्न हिस्सों से आंदोलनकारी शहीदों के अधूरे सपनों पर चर्चा करेंगे और झारखंड के विकास पथ की समीक्षा करेंगे। अविनाश देव ने इस सम्मान के लिए सभी आंदोलनकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड की नींव शहीदों के खून और संघर्ष पर टिकी है, लेकिन आज भी उनके सपनों का झारखंड अधूरा है। उन्होंने कहा, "खनिज-संपन्न राज्य होने के बावजूद यहां के नौजवान आज भी रोजगार के लिए पलायन को मजबूर हैं। यह समय आत्मसंघन का है कि आखिर हम कहीं चूके।" उन्होंने आगे कहा कि वे झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मेलन में अवश्य शामिल होंगे और राज्य के निर्माण में उनके योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य जारी रखेंगे।

राजद कार्यकर्ताओं ने मंत्री राधा कृष्ण किशोर का किया भव्य स्वागत

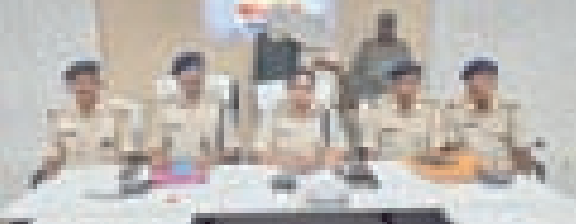


नवप्रदेश/हरिहरगंज। झारखंड सरकार के वित्त, वाणिज्य कर, योजना एवं विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री राधा कृष्ण किशोर का गुरुवार को हरिहरगंज आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। पुरानी बस स्टैंड सिनेमा मोड़ के पास राजद कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से मंत्री का अभिनंदन किया। इस स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व विकास यादव व राजद अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष कलीम शाह ने किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि हरिहरगंज क्षेत्र से उनका पुराना लगाव रहा है। सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है, तथा जनहित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी है. विकास की इस प्रक्रिया में जनता की भागीदारी आवश्यक है. मंत्री बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए रवाना हो रहे थे। इस अवसर पर कमलेश यादव, उमा यादव, कुंदन यादव, सत्येंद्र यादव, अनिल यादव, मिथिलेश यादव, आजाद खान, मो. सैयद, शाकिब अनवर, एमडी कुदुस, प्रयाग यादव, यादूब खंसारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शौकत खान ने अपने पिता मरहूम हाजी अलिजान खान के याद में आज से गरीबों के बिच प्रत्येक वर्ष कम्बल का वितरण करेंगे

नवप्रदेश/गढ़वा। गरीबों का मसीहा और मानवता का मिसाल बनें राष्ट्रीय तिरंगा सम्मान समारोह के आयोजक सह अनेक निशुल्क बैंक गढ़वा के संस्थापक शौकत खान ने हर वर्ष कि तरह इस वर्ष ठंड के मौसम आने से पहले गरीबों की जान बचाने के लिए सैकड़ों कम्बल खरीद चुके हैं और इस वर्ष आज से लेकर ठंड कि समाप्ति तक यानी मार्च महीने तक शौकत खान अपने पिता मरहूम हाजी अलिजान खान के याद में कम्बल, कपड़ा, और राशन का वितरण गरीबों के बिच प्रतिदिन करेंगे और मानवता कि जान बचाएंगे जिसकी कि सारी तैयारी पूरी कर ली है। शौकत खान ने बताया कि छठ पर्व से ही मौसम में बदलाव देखा जा रहा है और गढ़वा जिले में रुक रुककर तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है ऐसे हालात में रात में ट्रेन बस से सफर करने वाले गरीब यात्री और रात में रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड एवं चौक चौराहे पर टेला खोमचा लगाकर अपनी जीवन यापन करने वाले लोगों के लिए ठंड मुसिबत बन जाती है इस हालत को देखते हुए शौकत खान और उनके पुत्र साजिद खान ने हर वर्ष कि तरह गरीबों के लिए रात में प्रतिदिन मसिहा बनकर निकलते हैं और जरूरतमंद लोगों को रात में प्रतिदिन खोज खोजकर कम्बल और भोजन उपलब्ध कराते हैं और दिन में अपने निशुल्क कपड़ा बैंक से प्रतिदिन गरीबों के बिच कम्बल और अनेक प्रकार के कपड़ों का वितरण करते हैं और अब तक दस साल से अधिक समय से निस्वार्थ सेवा करते हैं अब तक दस लाख से अधिक गरीबों को मदद कर चुके हैं और दो लाख से अधिक लोगों को कम्बल उपलब्ध करा चुके हैं और इस अनेखे निस्वार्थ सेवा कार्यों के लिए शौकत खान और उनके पुत्र साजिद खान को देश भर से सैकड़ों सम्मान और अवार्ड मिल चुका है और ये सभी सेवा काम देश के वीर शहीदों के सम्मान में करते हैं और देश भर के लोगों को प्रेरित कर अबतक भारतवर्ष में हजारों जाह्न पर निशुल्क कपड़ा बैंक खोलवा चुके हैं और शौकत खान के इस सेवा कार्य में इनके परिवार के सभी सदस्य साथ जुड़े है और और ठंड के रातों में छोटे छोटे बच्चे भी राहगीरों के बिच कम्बल वितरण करते लगातार देखें जाते हैं।

नाबालिक हत्याकांड का खुलासा, दो अभियुक्त गिरफ्तार, मोटरसाइकिल व मोबाइल बरामद



नवप्रदेश/मेदिनीनगर। पलामू पुलिस को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 28/10/2025 को वादी बाली यादव पिता हीरामन यादव, साकिन पोची थाना सतबरवा जिला पलामू के आवेदन पर यह सूचना दी गई थी कि उनके पुत्र पंकज कुमार यादव का रमेश कुमार यादव एवं उसके साथियों द्वारा हत्या करने के नियत से अपहरण कर लिया गया है। इस संबंध में सतबरवा थाना कांड सं0-113/25, दिनांक 28/10/25, धारा 138/140 बी.एन.एस. के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। कांड के शीघ्र उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय, पलामू द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया। गुठित टीम ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड के प्रमुख अभियुक्त रमेश कुमार यादव को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ की। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसका पोची गांव की एक महिला के साथ प्रेम-प्रसंग था। एक दिन उस महिला के साथ आपतिजनक स्थिति में उसे उसके चचेरे साले पंकज कुमार यादव ने देख लिया था। इस बात के उजागर होने के थय से अभियुक्त रमेश कुमार यादव ने अपने साथी मंदीप कुमार यादव (जो पंकज का चचेरा भाई है) के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची छठ पर्व के पहले अर्ग की शाम, दोनों अभियुक्तों ने पंकज कुमार यादव को मोटरसाइकिल पर बैठोकर पोची स्थित नहर के पास ले जाकर गला दबाकर हत्या कर दी और शव को पास के नहर में फेंक दिया। अनुसंधान से यह भी ज्ञात हुआ कि मृतक के पिता और अभियुक्त मंदीप कुमार यादव के बीच पूर्व से जमीनी विवाद भी चल रहा था, जिसके कारण उसने इस अपराध में सक्रिय भूमिका निभाई।

उपायुक्त ने सतबरवा के तुम्बागाड़ा एवं चेतमा आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

विभिन्न पदाधिकारियों ने भी अलग-अलग केन्द्रों का किया निरीक्षण
गड़बड़ी वाले केन्द्रों से जुड़े महिला पर्यवेक्षिकाओं को शोकांज
नवप्रदेश संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने गुरुवार को सतबरवा के तुम्बागाड़ा एवं चेतमा आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया।इस दौरान उपायुक्त ने उपस्थिति रजिस्टर से बच्चों का मिलान किया।इसके अलावे कितने बच्चों का खाना बनाया जा रहा है इसकी जानकारी ली।वहीं बच्चों के वजन मापने के यंत्र क्रियाशील है कि नहीं से संबंधित जानकारी ली।इसके अलावे तय मेन्यू के

सदर सीओ कार्यालय में बहस के बाद 'हम' पार्टी जिला अध्यक्ष आशुतोष तिवारी गिरफ्तार

नवप्रदेश संवाददाता
मेदिनीनगर। पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में सदर अंचल कार्यालय (सीओ कार्यालय) में उस समय तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब एक विवाद के चलते 'हम' पार्टी के जिलाध्यक्ष आशुतोष तिवारी को गिरफ्तार कर लिया गया। यह मामला सदर अंचल अधिकारी (सीओ) अमरदीप बलहोत्रा द्वारा शहर थाना में दर्ज कराई गई एक प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें आशुतोष तिवारी पर सरकारी कार्य में बाधा डालने का गंभीर आरोप लगाया गया है।

क्या है पूरा मामला ?

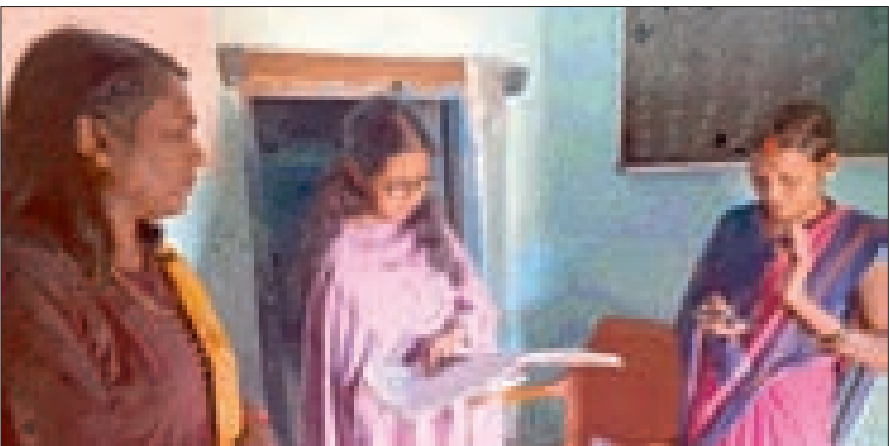
जानकारी के अनुसार, आशुतोष तिवारी किसी कार्यवश सदर सीओ कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान

पाल पंचायत संघ कौड़िया का 21वां स्थापना दिवस मनाया गया

पाल समाज के लोग एकजुट हों तभी होगा विकास : सुबंश पाल

शिक्षा से ही गरीबी व कुरीति मिटेगा : लालमन पाल
नवप्रदेश संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के कौड़िया पंचायत के तीनकोनिया टोला स्थित लालमन पाल के आवास पर पाल पंचायत संघ कौड़िया का 21 वौं स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सुबंश पाल , पूर्व जिला अध्यक्ष रवि पाल, बलराम पाल, बिनोद पाल पोलपोल, राजिंद्र पाल , राजदेव पाल कुंदरी, मुन्ना पाल कंकारी के साथ सभी प्रवक्ताओं ने पाल समाज के उत्थान और विकास पर चर्चा की । रवि पाल ने अहिल्या बाई होल्कर तथा ई. वी. रामासायन के आदर्श और उनके मार्ग दर्शन पर चलने हेतु प्रेरित किया गया। सुबंश पाल ने कहा कि पाल समाज के एकजुटता के बिना विकास नहीं हो सकता है। पाल समाज के लोग एकजुट हों तभी विकास



अनुसार खाना बनता है कि नहीं इसकी जानकारी बच्चों से वार्ता कर लिया गया।पोषण वाटिका नहीं रहने को लेकर सेविका-सहायिका से जवाब तलब किया गया।वहीं सैम बच्चों की संख्या व उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं का भी अवलोकन

किया गया। इसके अलावे उपायुक्त ने कई बिंदुओं पर बच्चों से वार्ता कर जानकारी ली। इन केन्द्रों का किया गया निरीक्षण आज हुए निरीक्षण में उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन व जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम ने सतबरवा

पंचायत के मुस्लिम टोला व कॉलोनी रोड, दुलसुलमा आंगनबाड़ी केंद्र, अपर समाहर्ता ने पोंची पंचायत के ताबर एवं पोंची आंगनबाड़ी केंद्र, सदर एसडीओ ने पोंची पंचायत के मुका एवं नावाडीह पोंची आंगनबाड़ी



किसी बात को लेकर सीओ अमरदीप बलहोत्रा और जिलाध्यक्ष तिवारी के बीच तीखी कहासुनी शुरू हो गई। सीओ के आरोप के अनुसार, बहस के दौरान आशुतोष तिवारी ने कथित तौर पर कार्यालय का रजिस्टर फाड़ दिया। घटना की सूचना तुरंत सीओ द्वारा पुलिस को दी गई। सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आशुतोष तिवारी को

हिरासत में लेकर शहर थाना ले आई। देर शाम सीओ के लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने एफआईआर (प्राथमिकी) दर्ज की, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

परिजनों का पलटवार, मामले को बताया निराधार

गिरफ्तारी के बाद आशुतोष

तिवारी के परिजनों ने सीओ द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। परिजनों का कहना है कि यह जिलाध्यक्ष के साथ अन्याय है। परिजनों ने आरोप लगाया कि आशुतोष तिवारी ने जमीन से संबंधित एक विवाद में सीओ पर कुछ आरोप लगाए थे, और यह गिरफ्तारी उसी की 'बदले की कार्रवाई' है, जिसके तहत सीओ ने उन पर मामला दर्ज कराया है। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज की जाँच कराने की अपील की है। फिलहाल, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि यह मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

भाकपा ने किया वार्ड नंबर एक सिंगरा कला से पदयात्रा

पचासों दलित घरों के बस्ती में नहीं मिला है एक भी सरकारी आवास : रूचिर तिवारी

पदयात्रा में 81 वर्ष के बुजुर्ग रामनाथ राम 3 किलोमीटर रूचिर तिवारी के साथ पैदल चले

नवप्रदेश संवाददाता
मेदिनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह डालटेनगंज विस के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 1 सिंगरा कला से पदयात्रा की शुरूआत किया।पदयात्रा में सैकड़ो लोग उनके साथ जुड़े और उनकी जन समस्याओं से श्री तिवारी ने अवगत हुआ और उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र का वार्ड संख्या एक सिंगरा कला गरीब दलित का इलाक है जहां निगम के द्वारा और पूर्व के जनप्रतिनिधियों, भाजपा विधायक एवं सांसद ने विकास का कोई काम नहीं किया।सैकड़ो घर मिट्टी का बना हुआ है घर गिर रहा है प्लास्टिक ताने हुए हैं लेकिन



कहीं भी प्रधानमंत्री और अबुआ आवास नजर नहीं आ रहा है ऐसा लगता है कि यह दोनों आवास सिर्फ बबुआ और बड़े लोगों के मिला है पदयात्रा के प्रथम दिन यह भी देखने को मिला कि उर्मिला कुअरं, श्री राम भूईया , नारायण भूईया, कांति देवी जैसे लोग खपड़ा पोस के मकान में प्लास्टिक लगा कर रह रहे हैं सड़क का भी वही बदहाली है लाइट भी नहीं है ऐसा

लग रहा है कि यह नगर निगम नहीं बल्कि नरक निगम बना हुआ है। पदयात्रा में श्री तिवारी के साथ 81 वर्ष के बुजुर्ग रामनाथ राम से लेकर के नौजवानों का फौज एवं महिलाएँ भी थीं। वही निगम परित जमीन का भी टैक्स ले रहा है और दूसरी ओर अंचल अधिकारी के द्वारा मालगुजारी रसीद का भी टैक्स कर रहा है दोहरी टैक्स का भार आम जनता झेल रहा है लेकिन

सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं। लोगों ने जिला सचिव श्री तिवारी से यह भी कहा कि भाजपा-कांग्रेस ,जे एम एम एवं अन्य पार्टी के नेतागण केवल चुनाव के समय नजर आते हैं और उसके बाद हमारे मोहल्ले में कभी नहीं आते हैं। श्री तिवारी ने कहा कि ऐसे बरसाती मेंढकों से आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है कम्युनिस्ट पार्टी ही आम आवाम के हितेषी पार्टी है आम आवाम हमसे जुड़कर हमारे हाथों को मजबूत करें। निगम क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं लूट मचा हुआ इसके खिलाफ आम जनता का मोर्चाबंद होना जरूरी है। पदयात्रा में किसान नेता रामराज तिवारी, नगर सचिव सदस्य सुरेश ठाकुर, सोनू अहमद, बिहारी शुक्ला, नसीम राइन रवि भूईया, कलावती देवी, कैलाश राम चैतराम पचासीराम, राहुल कुमार रामनाथ राम सरजू राम सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।



जाएगा। इस अवसर पर जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में जिलास्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन होगा। समारोह की तैयारी को लेकर उपायुक्त समीरा एस. एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक भव्यता और अनुशासन के साथ उपायुक्त ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा की जानकारी दी और समारोह को वृहद तरीके से मनाने

का निदेश दिया। उपायुक्त ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस हमारे गौरव और अस्मिता का प्रतीक है। इसे सौहार्दपूर्ण, आकर्षक और जनसहभागिता से युक्त बनाया जाए। राज्य स्थापना दिवस झारखंड की संस्कृति, एकता और विकास का उत्सव है। हम सब मिलकर इसे भव्यता और अनुशासन के साथ एक वर्ष पूरे होने के अवसर को भी खास बनाने का निर्णय लिया गया। सरकार के एक वर्ष पूरे होने

स्थापना दिवस समारोह को लेकर 11 नवंबर से 15 नवंबर तक विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। 11 नवंबर को जागरूकता वैन को हरि झंडी दिखाकर रवाना की जायेगी। यह रथ विभिन्न स्थनों पर जाकर लोगों को जागरूक करने का कार्य करेगा। वहीं 12 नवंबर को फ्लैश मॉच/ स्ट्रीट डॉस, 13 को साइकिल रैली, 14 नवंबर को आदिवासी जेपरा एवं राज्य स्थापना दिवस के दिन 15 नवंबर को जिला मुख्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन होगा। इसके उपरांत राज्य सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर को भी खास बनाने का निर्णय लिया गया। सरकार के एक वर्ष पूरे होने

पर सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस दौरान सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद एवं योग्य लाभुकों को दिया जायेगा। साथ ही नवनि्युक्तों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जायेंगे। राज्य स्थापना दिवस समारोह के दौरान जिले की उपलब्धियों, योजनाओं के क्रियान्वयन एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की झलक भी प्रस्तुत की जाएगी। उपायुक्त ने सभी तैयारी निर्धारित समय से पूर्व पूर्ण करने का निदेश दिया, ताकि कार्यक्रम में किसी प्रकार की असुविधा न हो। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने भी राज्य स्थापना दिवस को गौरवपूर्ण तरीके से मनाने की बातें कहीं। कार्यक्रम एवं गतिविधियों के दौरान विधि व्यवस्था, यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने की बातें कहीं।

उपायुक्त ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के विकास कार्यों, राज्य की उपलब्धियों एवं जनहित योजनाओं पर फ्लैक्स, होर्डिंग लगाने, एलईडी वैन से जागरूकता लाने, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को विद्यालयों के विद्यार्थियों की सहभागिता बनाने, जेएसएलपीएस की डीपीएम को सखी मंडल की दीर्घियों की सहभागिता सुनिश्चित करने आदि का निदेश दिया। साथ ही अन्य पदाधिकारियों को भी जिम्मेवारियां दी गईं, ताकि लोगों में एक सकारात्मक संदेश का संचार एवं झारखंडी पहचान और गौरव की भावना जागृत हो। बैठक में उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।



अगर आपका बाल लंबा, मोटा मुकुट हो पाए है और अगर आपकी बालों में विटमिन B12 में कमी बालों का गिरना बचावे है। तो यह बहुत जरूरी है कि अगर बाल आपके बालों की जड़ों के पास गहरे लगें हैं। अगर फिर भी लंबा के पास किसी बालों लंबा, बाल आपके मुकुट की गहराई का देते हैं। इसलिए, इस बाल का भी मतलब नहीं कि बालों की जड़ों के पास गहराई बालों बालों हो (न लंबा)। यदि आप बालों

आमिर खान को मिलेगा आर. के. लक्ष्मण अवॉर्ड

आमिर खान पिछली बार फिल्म 'सितारे जमीन पर' लेकर आए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। अब आमिर दोबारा सिल्वर स्क्रीन पर लौटने की तैयारी में हैं। इसी बीच उन्हें एक ऐसा सम्मान मिलने जा रहा है, जिसे पाने वाले वह बॉलीवुड के पहले अभिनेता बन जाएंगे। मशहूर कार्टूनिस्ट दिवंगत आर.के. लक्ष्मण को सम्मानित करने के लिए उनके परिवार ने एक विशेष अवॉर्ड शुरू किया है, जिसका नाम 'आरके लक्ष्मण अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस' है। इस सम्मान के पहले प्राप्तकर्ता आमिर खान चुने गए हैं। इस खास मौके पर परिवार ने संगीत सम्राट ए.आर. रहमान का लाइव कॉन्सर्ट भी आयोजित किया है, जो 23 नवंबर



2025 को पुणे के एमसीए क्रिकेट स्टेडियम में शाम 5 बजे से होगा। आरके लक्ष्मण की बहू उषा लक्ष्मण ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह आयोजन लक्ष्मण जी को श्रद्धांजलि देने का खास तरीका है और उनके योगदान को याद करते हुए पहला अवॉर्ड आमिर खान को दिया जाएगा। उन्होंने कहा, यह हमारे परिवार की ओर से लक्ष्मण जी के प्रति सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। आरके लक्ष्मण भारत के सबसे प्रतिष्ठित कार्टूनिस्टों में शुमार थे। उनके बनाए किरदार 'कॉमन मैन' और दैनिक कार्टून स्ट्रिप 'यू सेड इट' ने उन्हें खास पहचान दी।

ब्रीफ न्यूज

लियोनेल मेसी एमएलएस में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी, सोन हुंग-मिन दूसरे स्थान पर

लॉस एंजिल्स। इंटर मियामी के आठ बार के बैलन डी ओर विजेता लियोनेल मेसी अब भी मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के सबसे अधिक वेतन पाने वाले फुटबॉलर बने हुए हैं। लॉस एंजिल्स एफसी (एलएएफसी) के नए स्टार सोन हुंग-मिन दूसरे स्थान पर हैं। वह जानकारी बुधवार को जारी ताजा वेतन सूची में सामने आईं। मेसी को इंटर मियामी से सालाना 20.4 मिलियन डॉलर (लगभग 170 करोड़ रुपये) की गारंटीशुदा राशि मिलती है, जो बाकी खिलाड़ियों से काफी अधिक है। इस राशि में उनके स्पॉन्सरशिप और अन्य करारों से होने वाली आमदनी शामिल नहीं है। 2023 के मध्य में मियामी से जुड़ने वाले अर्जेंटीनी स्टार का मौजूदा अनुबंध दिसंबर में समाप्त होगा, जिसके बाद वे अगले साल से तीन साल के नए करार की शुरुआत करेंगे। इस विस्तार के वित्तीय विवरण अभी सामने नहीं आए हैं। 38 वर्षीय मेसी को हाल ही में रेगुलर सीजन का टॉप स्कोरर घोषित किया गया, जहां उन्होंने 28 मैचों में 29 गोल दोगे। वे इस बार भी मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर पुरस्कार के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण कोरिया के सोन हुंग-मिन को एलएएफसी से सालाना 11.1 मिलियन डॉलर का वेतन मिलता है। टोटनहम हॉटस्पर के पूर्व कप्तान सोन इस साल अप्रैल में एमएलएस इतिहास के सबसे महंगे ट्रांसफर (26 मिलियन डॉलर) के तहत अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने अब तक 10 मैचों में 9 गोल करते हुए अपनी टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। तीसरे स्थान पर इंटर मियामी के ही स्पेनिश मिडफील्डर सर्जियो बुस्केटस (8.7 मिलियन डॉलर) हैं, जो इस सीजन के अंत में संन्यास लेंगे। वहीं, पाराग्वे के मिगेल अल्मिरोन (7.8 मिलियन डॉलर) चौथे और मेक्सिको के हर्विग चक्की लोजानो (7.6 मिलियन डॉलर) पांचवें स्थान पर हैं। दोनों ने इस सीजन क्रमशः अटलांटा यूनाइटेड और सैन डिएगो एफसी के साथ करार किए हैं।

कनाडियन स्वदेश ओपन के सेमीफाइनल में हारी अनाहत सिंह, जीना कैनेडी ने दी मात

टोरंटो। भारतीय स्वदेश स्टार अनाहत सिंह का शानदार सफर कनाडियन ओपन 2025 में सेमीफाइनल में आकर थम गया। 17 वर्षीय अनाहत को इंग्लैंड की नंबर 1 खिलाड़ी जीना कैनेडी ने सीधे सेटों में 11-5, 11-8, 12-10 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। यह मुकाबला मात्र 30 मिनट तक चला। टूर्नामेंट में अनाहत ने इससे पहले दो बड़े उलटफेर किए थे – उन्होंने विश्व नंबर 20 मेलिसा एल्क्स और पिछली चैंपियन टिन्नी गिलिस को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। जीना कैनेडी ने मैच के बाद अनाहत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, अनाहत ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया। मैंने अपने कोच से कहा कि वह एक स्वाभाविक स्वदेश खिलाड़ी हैं। उनके शॉट्स की दिशा बदलने की शैली बहुत अनोखी है, जिसे सिखाया नहीं जा सकता। शायद वह पूरे हफ्ते के खेल से थोड़ी थकी हुई थीं, जो स्वाभाविक है। फाइनल में जीना कैनेडी का मुकाबला मिस्त्र की अमीना ऑरफी से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में अर्मांडा सोभी (अमेरिका) को पराजित किया। कैनेडी ने कहा, मेरा और अमीना का सामना हुए एक साल से ज्यादा हो गया है। वह हाल में बेहतरीन फॉर्म में हैं और मैं उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित हूं।

यूएफा की सुपर लीग अपील खारिज, रियल मैड्रिड मांगेगा हजाना

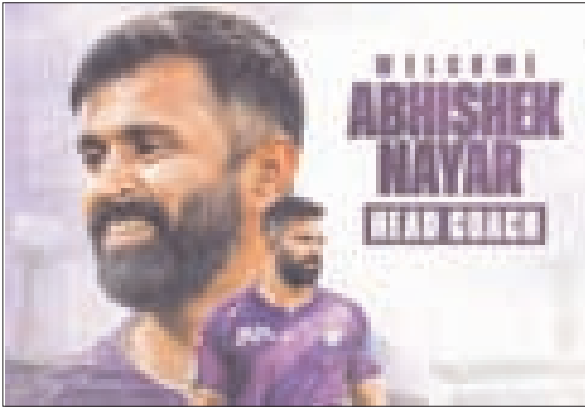


मैड्रिड। यूरोपियन फुटबॉल में एक बड़ी कानूनी लड़ाई के बीच स्पेन की राजधानी मैड्रिड की अदालत ने बुधवार को द यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन (यूएफा) की सुपर लीग से जुड़ी अपील को खारिज कर दिया। इसके बाद रियल मैड्रिड क्लब ने यूएफा से हूबड़े पैमाने पर हड़ मुआवजे की मांग करने की घोषणा की है। दरअसल, साल 2021 में यूरोप के 12 शीर्ष क्लबों – जिनमें रियल मैड्रिड और बार्सिलोना शामिल थे – ने मिलकर सुपर लीग बनाने की योजना पेश की थी। हालांकि इंग्लिश क्लबों के प्रशंसकों के तीव्र विरोध और यूएफा व फीफा की धमकियों के कारण वह परियोजना कुछ ही दिनों में ध्वस्त हो गई। दिसंबर 2023 में यूरोपीय न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि सुपर लीग पर लगाया गया प्रतिबंध यूरोपीय कानून के खिलाफ है। इसके बाद एक स्पेनिश जज ने भी कहा था कि यूएफा और फीफा ने सुपर लीग का विरोध कर-के मुक्त प्रतिस्पर्धा की बाधित किया और अपने प्रभुत्व का दुरुपयोग किया। अब मैड्रिड की अदालत ने यूएफा के साथ-साथ ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन द्वारा दायर की गई अपीलों को भी खारिज कर दिया है। हालांकि अदालत के फैसले का दायरा सीमित माना जा रहा है क्योंकि संबंधित नियम इस बीच पूरी तरह से बदल दिए गए हैं। रियल मैड्रिड ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, यह फैसला पुष्टि करता है कि सुपर लीग मामले में यूएफा ने यूरोपीय संघ के मुक्त प्रतिस्पर्धा के नियमों का गंभीर उल्लंघन किया है। क्लब ने आगे कहा कि वह विश्व फुटबॉल और प्रशंसकों के हित में काम करना जारी रखेगा, साथ ही यूईएफए से पर्याप्त हजाना भी मांगेगा।

अभिषेक नायर बने कोलकाता नाइट राइडर्स के नए मुख्य कोच

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) फ्रेंचाइजी ने पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। नायर ने चंद्रकांत पंडित की जगह ली है, जिन्होंने तीन सीजन तक टीम की कमान संभाली थी, जिनमें 2024 का खिताबी सीजन भी शामिल है। केकेआर ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। पंडित और फ्रेंचाइजी के बीच इस साल की शुरुआत में रास्ते अलग हो गए थे, जिसके बाद केकेआर

ने नए कोच की तलाश शुरू की थी। नायर की नियुक्ति के साथ फ्रेंचाइजी ने एक बार फिर भारतीय कोच पर भरोसा जताने की परंपरा को आगे बढ़ाया है। 42 वर्षीय नायर को खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन दोनों के बीच आधुनिक और प्रगतिशील कोचिंग तरीकों के लिए खासा सम्मान प्राप्त है। वे पिछले पांच वर्षों से केकेआर के सहयोगी स्टाफ को हिस्सा रहे हैं। हालांकि 2025 सीजन में भारतीय टीम के साथ जुड़ाव के कारण उनकी भूमिका



सीमित रही थी। नायर भारतीय टीम के साथ एक साल तक सहायक कोच के रूप में भी काम कर चुके हैं। फ्रेंचाइजी उनके खिलाड़ी-केन्द्रित और समग्र दृष्टिकोण वाले कोचिंग स्टाइल की सराहना करती है। नायर ने कई भारतीय खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से काम किया है और उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। उनके मार्गदर्शन में केएल राहुल, श्रेयस अय्यर और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं। खासकर रोहित शर्मा

ने सार्वजनिक तौर पर कई बार नायर के सहयोग की सराहना की है और कहा है कि उनके सत्रों से उन्हें काफी मदद मिली। नायर अब केकेआर के मौजूदा कोचिंग समूह के अन्य सदस्यों के साथ काम करेंगे, जिनमें टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। वहीं, पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने हाल ही में फ्रेंचाइजी छोड़ी है और अब लखनऊ सुपरजायंट्स के साथ जुड़ चुके हैं। केकेआर इस पद के लिए नए उम्मीदवार की तलाश में है।

युवा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की गेंद लगने से मौत

मेलबर्न। अभ्यास सत्र के दौरान गेंद लगने से एक उभरते हुए ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की मौत हो गई। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक, 17 वर्षीय बेन ऑस्टिन मंगलवार को मेलबर्न में अपनी टीम के टी20 मैच से पहले नेट प्रैक्टिस कर रहे थे। वे हेलमेट पहनकर ऑटोमेटिक बॉलिंग मशीन का सामना कर रहे थे, जब गेंद उनके सिर और गर्दन के हिस्से पर जा लगी। ऑस्टिन को तुरंत गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बुधवार को उनकी मौत हो गई। उनके क्लब फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने एक बयान में कहा, ह्रहम बेन के निधन से पूरी तरह टूट गए हैं। उनकी मृत्यु का असर हमारे पूरे क्रिकेट समुदाय पर गहराई से



महसूस किया जाएगा। बेन ऑस्टिन को क्लब ने एक स्टार क्रिकेटर, बेहतरीन लीडर और अद्भुत इंसान बताया था। वे बतौर बल्लेबाज और गेंदबाजी दोनों भूमिकाओं में प्रतिभाशाली माने जाते थे। क्रिकेट में ऐसी घटनाएं दुर्लभ हैं। ऑस्ट्रेलिया में इससे पहले 2014 में टेस्ट क्रिकेटर फिलिप ह्यूजेस

की मौत हुई थी, जब उन्हें घरेलू शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान गेंद गर्दन पर लगी थी। जेस की मौत के बाद ऑस्ट्रेलियाई और विश्व क्रिकेट में गहरा शोक फैल गया था और इसके बाद कन्कशन प्रोटोकॉल और खिलाड़ियों की सुरक्षा उपकरणों को लेकर कड़े मानक लागू किए गए थे।

पीकेएल सीजन 12 का खिताबी फैसला कल, दबंग दिल्ली के.सी. के सामने होगी पुनेरी पलटन



नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 का ग्रैंड फिनाले शुक्रवार को दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दबंग दिल्ली के.सी. और पुनेरी पलटन आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला न सिर्फ खिताब का फैसला करेगा, बल्कि पूरे सीजन की सबसे संतुलित टीम के रूप में पहचान बनाई है। उनकी मजबूत रक्षा और युवा रेंडर्स की जोड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में विपक्षी टीमों को मुश्किल में डाला। दिल्ली और पुणे के बीच इस सीजन तीन बार भिड़ंत हो चुकी है, और सभी तीनों मुकाबले टाई पर खत्म हुए हैं – जो इस बात का सबूत है कि दोनों टीमें एक-दूसरे की बराबरी की हैं। दिल्ली जहां आशु मलिक की तेज रेंडिंग पर निर्भर रही है, वहीं पुणे की ताकत उनके अनुशासित डिफेंडरों और टीमवर्क में

झलकती है। घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा दिल्ली को जरूर मिलेगा। उनके अनुभवी खिलाड़ी जैसे फजल अत्राचली, सौरभ नंदल और आशु मलिक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। टीम का डिफेंस हर मैच के साथ मजबूत हुआ है और करीबी मुकाबलों में उनकी जीत दर्ज करने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। दूसरी ओर, पुनेरी पलटन पिछले सीजन की हार का बदला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। युवा रेडर आदित्य शिंदे और अस्लम इनामदार ने आक्रामक खेल दिखाया है, जबकि डिफेंस यूनिट ने सामूहिक प्रदर्शन से टीम को यहां तक पहुंचाया है। दबंग दिल्ली के कोच जोगिंदर नरवाल ने कहा, मैं अपनी टीम पर बेहद गर्व महसूस करता हूं। हमने साथ मिलकर यह सफर तय किया

है। यह सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा है। खिलाड़ियों ने हर परिस्थिति में एकजुट रहकर लड़ा है, और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। वहीं पुनेरी पलटन के कोच अजय ठाकुर ने कहा, हमारी अनुशासन पर टिकी है। एक चैंपियन टीम एक दिन में नहीं बनती, इसमें समय, भरोसा और मेहनत लगती है। मुझे इस टीम पर गर्व है क्योंकि इन खिलाड़ियों का एक-दूसरे के प्रति सम्मान उनके खेल में झलकता है। फाइनल मुकाबला एक बार फिर बेहद रोमांचक होने की संभावना है। दोनों टीमों रणनीति, संतुलन और आत्मविश्वास में बराबर हैं। अब देखना यह होगा कि निर्णायक क्षणों में कौन अपनी नसों पर काबू रखता है और पीकेएल सीजन 12 की ट्रॉफी अपने नाम करता है।

दक्षिण अफ्रीका पहली बार महिला वनडे विश्व कप फाइनल में, इंग्लैंड को 125 रन से हराकर रचा इतिहास

गुवाहाटी। एसीए स्टेडियम, गुवाहाटी में बुधवार को खेले गए महिला वनडे विश्व कप 2025 के पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 125 रन से हराकर इतिहास रच दिया। इस तरह पहली बार दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। कप्तान लौरा वोल्वाडर्ट की ऐतिहासिक शतकीय पारी मैच में टॉस इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वाडर्ट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने 169 रन की पारी खेली, जो उनका वनडे करियर का 10वां शतक और विश्व कप का पहला शतक है। वोल्वाडर्ट ने ताजमिन ब्रिट्स (45) के साथ पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी की। हालांकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन के 4 विकेट (10 ओवर में 44 रन) लेकर कुछ हद तक वापसी कराई, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 319 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। मारिजैन कैप ने अपने पहले ओवर में ही एमी जोन्स और हीथर नाइट को पवेलियन भेज दिया। दूसरे ओवर में अयाबांगा खाका ने टैमी ब्यूमोंट को आउट कर इंग्लैंड की हालत और खराब कर दी। कप्तान नताली सिवर-बंट (64) और ऐलिस कैप्पी (50) ने चौथे विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को कुछ राहत दी, लेकिन इसके बाद टीम संभल नहीं सकी। कैप ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने 7 ओवर के स्पेल में सिर्फ 20 रन देकर 5 विकेट झटके। इंग्लैंड की पूरी टीम 42.3 ओवर में 194 रन पर आलआउट हो गई। हिसाब चुकता, इतिहास रचा दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ इंग्लैंड से पुराने सभी हिसाब बराबर कर लिए। पिछले दो विश्व कप (2017 और 2022) के सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को बाहर किया था। यहां तक कि मौजूदा टूर्नामेंट के लोग मैच में भी दक्षिण अफ्रीका 69 रन पर सिमट गया था। कप्तान लौरा वोल्वाडर्ट को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं, मारिजैन कैप की गेंदबाजी ने इस मैच को ऐतिहासिक बना दिया।

श्रेयस अय्यर ने चोट पर दी अपडेट, कहा- मैं हर दिन बेहतर महसूस कर रहा हूं

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने गुरुवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी चोट को लेकर अपडेट साझा किया। उन्होंने बताया कि वे फिलहाल रिकवरी प्रक्रिया में हैं और हर दिन बेहतर महसूस कर रहे हैं। श्रेयस ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं फिलहाल रिकवरी प्रक्रिया में हूं और हर गुजरते दिन के साथ बेहतर हो रहा हूं। मुझे मिली सभी शुभकामनाओं और सहयोग के लिए मैं दिल से आभारी हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आपका धन्यवाद कि आपने मुझे अपनी दुआओं में रखा।

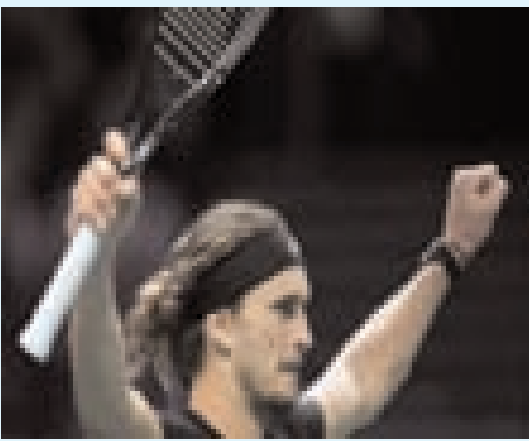


सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान श्रेयस को डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश में पसलियों में चोट लग गई थी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया था, जहां आंतरिक रक्तस्राव के कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती करना पड़ा। बाद में जांच में प्लीहा में चोट की पुष्टि हुई।

हालांकि, सोमवार को उनकी हालत स्थिर होने के बाद उन्हें आईसीयू से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया। इससे पहले, टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को श्रेयस की स्थिति पर जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, जब मुझे उनकी चोट के बारे में पता चला, तो मैंने हमारे फिजियो कमलेश जैन से बात की। अब श्रेयस फोन पर जवाब दे रहे हैं, इसका मतलब है कि वे स्थिर हैं। सूर्यकुमार ने आगे कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि ऐसे मामले बहुत कम होते हैं लेकिन दुर्लभ चीजें दुर्लभ प्रतिभाओं के साथ ही होती हैं। भगवान की कृपा से सब कुछ अब ठीक है। सीरीज खत्म होने के बाद हम उन्हें घर ले जाएंगे।

एक नजर

पेरिस मास्टर्स: ज्वेरेव तीसरे दौर में, वाशेरो ने आर्थर रिरंदनेक को फिर हराया



पेरिस। मौजूदा चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पेरिस मास्टर्स में कठिन शुरुआत के बावजूद बुधवार को तीसरे दौर में जगह बना ली। जर्मन स्टार ने अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कराबेली को 6-7 (5-7), 6-1, 7-5 से मात दी। पहला सेट टाई-ब्रेक में गंवाने के बाद ज्वेरेव ने दूसरा सेट सिर्फ 35 मिनट में अपने नाम किया। निर्णायक सेट में जब वह 1-3 से पिछड़ गए थे, तब ऐसा लग रहा था कि दुनिया के नंबर एक कार्लोस अल्काराज की तरह एक और शीर्ष वरीय खिलाड़ी बाहर हो जाएगा। लेकिन ज्वेरेव ने शानदार वापसी करते हुए 5-5 पर निर्णायक ब्रेक हासिल किया और जीत पक्की की। अब ज्वेरेव तीसरे दौर में स्पेन के 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना या फ्रांस के आर्थर काजो से भिड़ेंगे। दिन के पहले मुकाबले में नॉर्वे के आठवीं वरीय कैस्पर रूड की जर्मनी के डैनियल आल्टमायर ने 6-3, 7-5 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। रूस के पूर्व नंबर एक दानिल मेदवेदेव को बुल्गारिया के थिगोर दिमित्रोव के कंधे की चोट के चलते वॉकओवर मिला और वे सीधे तीसरे दौर में पहुंच गए। विंबलडन में जैनिक सिनर के खिलाफ दो सेट की बढ़त के बाद रिटायर होने के बाद से दिमित्रोव की यह वापसी रही, लेकिन उनकी फिटनेस फिर जवाब दे गई। दिन की शुरुआत दो कज़िन खिलाड़ियों मोनाको के वूलेटिन वाशेरो और फ्रांस के आर्थर रिरंदनेक के बीच मुकाबले से हुई। शंघाई मास्टर्स फाइनल की तरह ही इस बार भी वाशेरो ने तीन सेटों में जीत दर्ज की। कनाडा के नौवीं वरीय फेलिक्स ऑर्गर-अलियासिम ने भी रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने फ्रांस के एलेक्जॉंदर मुलर को 5-7, 7-6 (7-5), 7-6 (7-4) से हराते हुए एटीपी फाइनलस की दौड़ में अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं। ऑर्गर-अलियासिम वर्तमान में एटीपी रैंस में नौवें स्थान पर हैं, जबकि आठवें स्थान पर मौजूद इटली के लॉरेन्जो मुसेटी बाद में अपने हमवतन लॉरेन्जो सोनेगो के खिलाफ उतरने वाले हैं।



कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

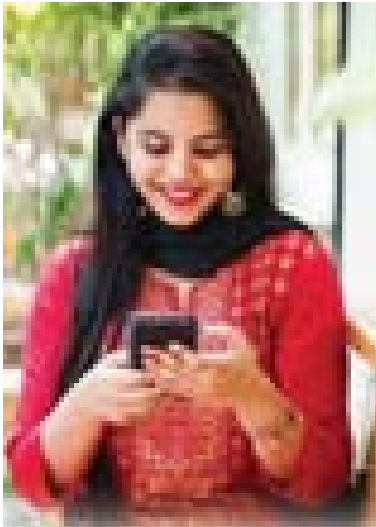
मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णतः लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रुचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल



आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझें आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्रायः कष्टकारी ही बीतता है। वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को।

परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्रायः कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बातें ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सुझबुझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है ? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबू आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉयल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉयल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।



- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कहीं भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉयल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिये का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़े अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुकिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थीकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।



गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर ? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहुंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बच्चों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहु और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जुझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोषम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम' है जो हमें जीने का हौसला देती हैं। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबिक 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती है। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैवनास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैवनास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योग्य ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।



पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लेडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें। बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्प्रस्' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएंगे। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है।

टॉयलेट में आपको बच्चे



5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक़्त तक नेल पैन्ट लगाकर रखती हैं। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खे आज भी बहुत कारगर हैं। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखूनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अच्छे से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

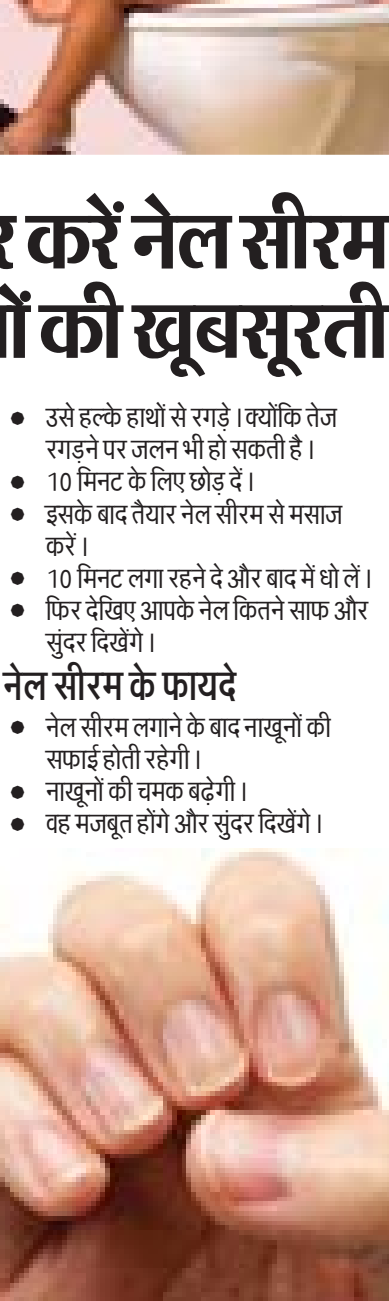
क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरूआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गई हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

उसे हल्के हाथों से रगड़ें। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है। 10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें। 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें। फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।



प्रधानमंत्री गुजरात के एकतानगर में 1,219 करोड़ की विकास सुविधाओं और परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन व शिलान्यास

गांधीनगर: अखंड भारत के शिल्पकार, लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती 31 अक्टूबर को गुजरात के नर्मदा जिले के एकतानगर (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) में ह्वाफ़ भारत, श्रेष्ठ भारतहू की भावना को उजागर करते हुए मनाई जाएगी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केवड़िया (एकतानगर) में आयोजित एकता दिवस पर 1,219 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास और आधारभूत परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे।

इस संबंध में प्रवक्ता मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी की प्रेरणा से देशभर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष सरदार साहब की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस का अत्यंत भव्य और बहुआयामी आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में गणतंत्र दिवस



के अवसर पर होने वाली परेड की तर्ज पर राष्ट्रीय एकता दिवस पर एकतानगर में पहली बार एक भव्य मूविंग परेड आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत और उपलब्धियों को दर्शाने वाले ह्यूएक्टव्ह थीम पर आधारित 10 झांकियाँ प्रस्तुत की जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 30 और 31 अक्टूबर पर सरदार साहब की केवड़िया (एकतानगर) में

आयोजित इस एकता दिवस समारोह में भाग लेंगे। प्रवक्ता मंत्री वाघाणी प्रधानमंत्री 30 अक्टूबर को शाम 5.30 बजे वडोदरा से एकतानगर पहुंचेंगे और ई-बसों को हरी झंडी दिखाएंगे। साथ ही १1,219 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास और आधारभूत परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर सरदार साहब की 150वीं जयंती पर स्मृति सिक्के

और डाक टिकट का भी अनावरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गुजरात को दी जाने वाली १1,219 करोड़ की परियोजनाओं में १367 करोड़ की लागत से बने नए म्यूजियम ऑफ रॉयल किंगडम ऑफ इंडिया का भूमि पूजन तथा १303 करोड़ की लागत से बने बिरसा मुंडा भवन का उद्घाटन शामिल है। कुल मिलाकर १700 करोड़ से अधिक

विविध स्रोतों से किफायती ऊर्जा हमारी प्राथमिकता : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली: विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की जनता की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार विविध स्रोतों से किफायती तेल खरीद सुनिश्चित कर रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में रूसी तेल कंपनियों पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध पर कहा कि इनके प्रभावों का गहराई से अध्ययन किया जा रहा है। हमारा निर्णय वैश्विक बाजार की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ही होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऊर्जा स्रोतों के व्यापक प्रश्न पर भारत की स्थिति पहले से स्पष्ट है कि भारत की प्राथमिकता देश की जनता को नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सस्ती और विविध स्रोतों से ऊर्जा प्राप्त की जाए। वहीं अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर प्रवक्ता ने कहा कि व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत जारी है।

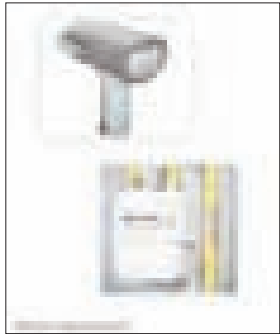


यह परेड देश की भौगोलिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक एकता का प्रतीक बनेगी। अमिता शाह ने कहा कि देश की एकता और अखंडता के प्रतीक सरदार पटेल की जयंती अब सिर्फ एक स्मरण दिवस नहीं रहेगी, बल्कि राष्ट्रीय गर्व और प्रेरणा का पर्व बनेगी। शाह ने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुबह 7:55 बजे एकता नगर में भव्य परेड की सलामी देंगे। अमित शाह ने कहा कि पटेल जयंती के मौके

पर केवल गुजरात ही नहीं, बल्कि पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी राज्यों, जिलों, विश्वविद्यालयों और विद्यालयों में ह्यराष्ट्रीय एकता दिवसहू के अवसर पर एकता डौड़ का आयोजन होगा। इस दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय भी मौजूद रहे। इस दौरान गृह राज्य मंत्री ने कहा कि बिहार हमेशा से राष्ट्रीय एकता और भाईचारे का केंद्र रहा है, इसलिए इस परंपरा की शुरुआत की घोषणा पटना से होना अपने आप में ऐतिहासिक है।

देशभर में 18 तरह के वजन और माप उपकरणों की जांच जीएटीसी केंद्रों में होगी, सरकार ने किया संशोधन

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने देश में वजन और माप उपकरणों की जांच प्रणाली को और पारदर्शी, सटीक और उपभोक्ता हितैषी बनाने के लिए कानूनी मेट्रोलॉजी (सरकारी स्वीकृत परीक्षण केंद्र) नियम, 2013 में संशोधन किया है। अब 18 श्रेणियों के उपकरण, जैसे जल मीटर, ऊर्जा मीटर, गैस मीटर, नमी मापक, स्पीड मीटर और थर्मामीटर आदि की जांच सरकारी स्वीकृत परीक्षण केंद्रों (जीएटीसी) में की जाएगी। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, संशोधित नियमों से सत्यापन प्रक्रिया को सरल, एकरूप और आधुनिक बनाया गया है। अब निजी प्रयोगशालाओं और उद्योगों को भी सरकारी स्वीकृत परीक्षण केंद्र



(जीएटीसी) के रूप में मान्यता दी जा सकेगी, जिससे जांच क्षमता बढ़ेगी और उद्योगों को तेजी से सेवाएं मिलेंगी। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि यह संशोधन भारत की मापदंडताली प्रणाली को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाएगा। इसके साथ भारत अब अंतरराष्ट्रीय

ओआईएसएल प्रमाणन प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगा, जिससे भारतीय निमातों अपने उपकरणों के लिए वैश्विक मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र देश में ही हासिल कर सकेंगे। विभाग ने बताया कि नियमों में नए आवेदन प्रारूप, सत्यापन शुल्क की एक समान व्यवस्था और जीएटीसी के अधिकार क्षेत्र को लेकर स्पष्ट दिशाझनिर्देश तय किए गए हैं। आवेदन अब डिजिटल माध्यम से विभाग के संयुक्त सचिव को भेजे जा सकेंगे, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनेगी। इस पहले से आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा और सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत देश में परीक्षण नेटवर्क का विस्तार होगा।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मुथुरामलिंग थेवर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की, थेवर गुरु पूजा महोत्सव आज



हेलीकॉप्टर द्वारा पासुमपोन थेवर स्मारक के पास स्थापित हेलीपैड पर उतरे। राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन थेवर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आज मदुरै से सड़क मार्ग के जरिये पासुमपोन पहुंच रहे हैं। इससे पहले रामनाथपुरम जिले के कामुदी के पास पासुमपोन में मुथुरामलिंग थेवर

के शिलान्यास और १519 करोड़ की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन प्रधानमंत्री के हाथों होगा। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर की सुबह प्रधानमंत्री मोदी सरदार साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे और एकतानगर में भारत पर्व के अंतर्गत डैम व्यू पॉइंट-1 पर आयोजित साइक्लोथॉन कार्यक्रम का कर्टन रेजर लॉन्च करेंगे। इसके अलावा 16 नवंबर को भारत और गुजरात सरकार के विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में साइकिलिंग फन राइड और 17 नवंबर को गुजरात सरकार के खेल विभाग के सहयोग से साइक्लोथॉन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देशभर से साइकिल सवार भाग लेंगे।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार का डिवाटमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग अपना आरंभ कार्यक्रम एकतानगर

में आयोजित करता है। इस वर्ष इस कार्यक्रम में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के लगभग 660 प्रशिक्षु अधिकारी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे और प्रशिक्षु सिविल सेवकों को प्रेरक मार्गदर्शन देंगे।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय एकता दिवस की इस परेड में बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, एसएसबी, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, असम, त्रिपुरा, ओडिशा, छत्तीसगढ़, केरल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और एनसीसी मिलाकर कुल 16 कंटिजेंट्स भाग लेंगे। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर के बीएसएफ के 16 पदक विजेता और सीआरपीकएफ पाँच शौर्य चक्र विजेता वीर जवान भी इस परेड में खुली जीपों में भाग लेंगे। इस परेड का नेतृत्व हेराल्डिंग टीम के लगभग 100 सदस्य करेंगे, जो रंग-बिरंगे परिधानों और विभिन्न वाद्ययंत्रों के साथ प्रदर्शन करेंगे।

मद्र के जबलपुर में संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक का शुभारंभ



जबलपुर: मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के कचनार क्लब क्षेत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांचन कर बैठक का शुभारंभ किया।संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र कुमार ठाकुर ने मौडिया को बताया कि बैठक के शुभारंभ के बाद उन सभी प्रमुख सामाजिक एवं राजनीतिक विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिनका हाल में देवलोकगमन हुआ है। इनमें प्रमुख रूप से राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व प्रमुख संचालिका प्रमिला ताई, वरिष्ठ कुचारक मधुभाई कुलकर्णी, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपानी, झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री शिवू सोरेन, भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा, पूर्व राज्यपाल एल.

दक्षिण कोरिया बनाएगा परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी, ट्रंप की हां सियोल (दक्षिण कोरिया):

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया की राजकीय यात्रा के दौरान मेजबान देश के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने गुरुवार सुबह अपने सोशल ट्वि पर लिखा, 'दक्षिण कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी बनाने की मंजूरी मिल गई है। इस पनडुब्बी का निर्माण फिलाडेल्फिया स्थित अमेरिकी शिपयार्ड में किया जाएगा। द कोरिया हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने यह भी कहा, हमारा देश (अमेरिका) जल्द ही बड़े पैमाने पर जहाज निर्माण शुरू करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दक्षिण कोरिया को अत्याधुनिक पनडुब्बी बनाने की अनुमति दी गई है। ट्रंप ने यह घोषणा दक्षिण कोरिया के 350 अरब डॉलर के निवेश के वादे के बाद की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भूटान की चार दिवसीय यात्रा पर



नई दिल्ली: केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक भूटान की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वे यहां आर्थिक मामलों के विभाग से जुड़े भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। वित्त मंत्रालय के अनुसार यात्रा के दौरान सीतारमण भारत सरकार के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही कई प्रमुख परियोजनाओं का दौरा करेंगी और उनका अवलोकन करेंगी। इनमें कुरिचू जलविद्युत संयंत्र बांध और पावरहाउस, ग्यालसुंग अकादमी, सांगचेन चोखोर मठ और पुनाखा द्जोंग शामिल हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और प्रधानमंत्री दाशे शेरींग तोबगे से मुलाकात करेंगी। वह भारत-भूटान आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग को और मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा करने के लिए भूटान के वित्त मंत्री लेके दोरजी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी। आधिकारिक कार्यक्रम के तहत सीतारमण प्रमुख

विकासात्मक पहलों पर प्रस्तुतियों में भाग लेंगी। वे कुटीर एवं लघु उद्योग बाजार का भी दौरा करेंगी, जहां वह भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोग करके किए जा रहे लेनदेन का अवलोकन करेंगी। अपनी आधिकारिक यात्रा के अंतिम चरण में सीतारमण भूटान के दूसरे सबसे पुराने और दूसरे सबसे बड़े जोंग-पुनाखा द्जोंग का दौरा करेंगी। पुनाखा द्जोंग के रास्ते में, सीतारमण भूटानी किसानों से बातचीत भी करेंगी और उनकी कृषि पद्धतियों, चुनौतियों और अवसरों को समझेंगी।

गणेशन, गीतकार पीवृष पाण्डेय, फिल्म अभिनेता सतीश शाह, पंकज धीर, हास्य अभिनेता असरानी, असम के प्रसिद्ध संगीतज्ञ जुबिन गर्ग को याद किया गया।उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय इस बैठक में संघ के सभी छह सह सरकार्यवाह, अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य, सभी 11 क्षेत्रों और 46 प्रांतों के संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक एवं अन्य पदाधिकारी सहित कुल 407 कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। बैठक में शनिवार तक सामाजिक समरसता और संगठन विस्तार के साथ ही

राष्ट्रीय हित से जुड़े विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।उन्होंने बताया कि बैठक के आरंभ में पहलवान में मोरे गए पर्यटकों, एयर इंडिया हादसे, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, पंजाब सहित देश के अन्य भागों में प्राकृतिक आपदा में मोरे गए लोगों के प्रति भी श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके बाद बैठक में पंच परिवर्तन के साथ कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा एवं विमर्श आरंभ कर दिया गया है। यहां देश के विभिन्न भागों में आई प्राकृतिक आपदाओं में समाज के

सहयोग से स्वयंसेवकों द्वारा किये गए सेवा कार्यों की भी जानकारी दी गई।बैठक में श्री गुरुतेग बहादुर के 350वें बलिदान, ब्रिस्सा मुंडा की 150वीं जयंती और 'वदिमातरम' रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने पर वक्तव्य जारी किए जाएंगे तथा कार्यक्रमों की चर्चा भी होगी। वहीं संघ के शताब्दी वर्ष में होने वाले गृह संपर्क अभियान, हिंदू सम्मेलन, सद्भाव बैठक, प्रमुख जनसंगोष्ठी की तैयारी पर भी चर्चा होगी।

साथ ही विजयदाशमी उत्सवों की समीक्षा होगी तथा वर्तमान परिस्थिति पर भी चर्चा होगी।उल्लेखनीय है कि यहां व्यापक जनसंपर्क अभियान के तहत समाज के हर वर्ग तक संघ के विचारों और रचनात्मक कार्यों को पहुंचाने के लिए एक विशाल रचनासंपर्क अभियान की रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसमें युवाओं और महिलाओं को जोड़ने की रणनीति पर विशेष बल दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में ईडी की छापेमारी में 3 करोड़ नकदी और 10 करोड़ के सोने के आभूषण बरामद



गोदाम में छिपाया गया था। ईडी सूत्रों के मुताबिक, संबंधित व्यापारी के कई कारोबार हैं और वह चार से पांच कंपनियों के निदेशक के रूप में भी जुड़ा है। वर्ष 2004 से 2022 के बीच उसने कई क्षेत्रों में निवेश किया। उसके पास शहर में फ्लैट और कई लक्जरी वाहन हैं। पूछताछ के दौरान संबंधित व्यापारी ने गोदाम में रखी गई नकदी के स्रोत के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

इससे पहले भी नगर निगम भर्ती घोटाले के सिलसिले में ईडी ने राज्य के अग्निशमन मंत्री सुजीत बसु के दफ्तर, उनके पुत्र के

रेस्तरां और दक्षिण दमदम नगर निगम के पार्श्व नितार्इ दत्ता के घर पर छापे मारे थे। तब एजेंसी को करीब 45 लाख रुपये नकद मिले थे। उसी जांच के आधार पर कई व्यापारियों के नाम सामने आए, जिनमें यह व्यापारी भी शामिल है।

इससे पहले मंगलवार को भी ईडी ने बेलुरगटा स्थित हेमचंद्र नस्कर रोड पर दो व्यवसायी भाइयों के घर और कार्यालय तथा प्रिंसेप घाट इलाके में एक वित्तीय कंपनी पर तलाशी ली थी। एजेंसी का मानना है कि दक्षिण दमदम नगर निगम के तत्कालीन उपाध्यक्ष रहते हुए सुजीत बसु के कार्यकाल में एबीएस इंफोजेन नामक कंपनी को भर्ती से संबंधित कई अनुबंध दिए गए थे। यह कंपनी ओएमएम परीक्षा प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालती थी।

लखनऊ में जहाज के आकार में बनेगा नौसेना शौर्य संग्रहालय

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक में राजधानी लखनऊ में प्रस्तावित हनौसेना शौर्य संग्रहालयहू की प्रस्तुति का अवलोकन किया और उन्होंने इसके शीघ्र निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भारतीय नौसेना की अदम्य शौर्यगाथाओं और हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की सामुद्रिक क्षमता का जीवंत प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समुद्र भारत की सभ्यता का मंथन स्थल रहा है और भारतीय नौसेना उस गौरवशाली परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। लखनऊ का यह संग्रहालय उसी परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

प्रस्तावित नौसेना शौर्य संग्रहालय की प्रस्तुति संबंधी बैठक में बताया गया कि संग्रहालय का स्वरूप एक जहाज के आकार के रूप में होगा। जहाज की रेलिंग,

पोथोल जैसी खिड़कियां, नौसैनिक वास्तुकला और समुद्री प्रतीकों के साथ इसे विशिष्ट पहचान दी जाने की योजना है। परिसर में इंटरप्रिटेशन सेंटर, सेंट्रल डेक, ओपन एयर मेमोरियल, थीमैटिक वॉकवे, प्रदर्शनी गैलरी, फाउंटैन और लाइट-एंड-साउंड एरिना शामिल होंगे।

डिजाइन को ऊर्जा-संवेदनशील रखा गया है, जिसमें प्राकृतिक रोशनी, वेंटिलेशन और हरित निर्माण तकनीक का उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि संग्रहालय को केवल देखने योग्य नहीं बल्कि 'अनुभव का केंद्र' बनाया जाए, जहाँ दर्शक इतिहास को महसूस कर सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि डिस्प्ले में डिजिटल, इंटरएक्टिव और इमर्सिव तकनीकों का प्रयोग हो, ताकि लोग नौसेना के अभियान, युद्ध और तकनीकी प्रगति को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकें।